RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 10 | लखनऊ, सोमवार, 6 अप्रैल 2020 से 5 मई 2020 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

फोटोशॉप

ऑनलाइन घर बैठे सीखें

स्टूडियो न्यूज़ के सौजन्य से लॉक डाउन तक **मुफ्त**

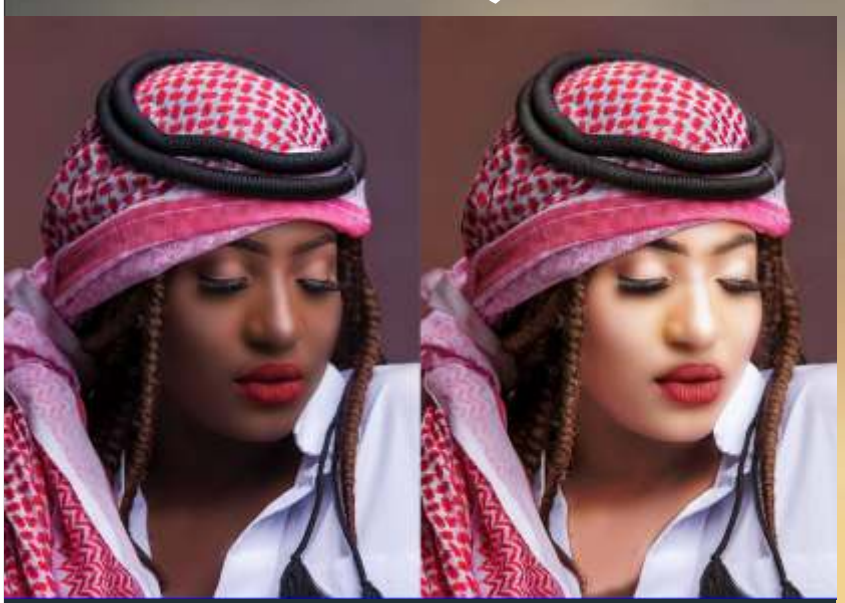

स्किन कलर को डार्क से लाइट फोटोशॉप में कैसे करें?

फोटोशॉप में कलर स्प्लैश कैसे दें?

फ़ोटोशॉप दुनिया की सबसे अच्छी इमेजिंग और ग्राफिक डिज़ाइन सॉफ़्टवेयर हैं जिसकी सहायता से आप अपनी कल्पनाओ को वास्तविकता का जामा पहना सकते है। चाहे आपको फोटो अथवा वीडियो एडिट करना हो या वेब डिजाइनिंग फोटोशॉप सीखना इन सबके लिए आज एक जरूरत है।

यह पाठ्यक्रम उन बिगनर और पहले से फोटोशॉप पर काम करने वालो के लिए है जो प्रोफेशनल फोटो एडिटिंग के रहस्यों को सीखना चाहते हैं और अपने कौशल को अगले स्तर पर ले जाना चाहते हैं। चाहे आप फोटोशॉप कमाने के लिए या शौकिया सीखना चाहते हो इन ट्यूटोरियल्स में आपको सर्वश्रेष्ठ तकनीकें मिलेंगी जिनके लिए न्यूनतम प्रयास और कम समय की आवश्यकता होती है फिर भी अधिकतम परिणाम प्राप्त होते हैं।

आवश्यकताएँ :

- फोटोशॉप की पहले से किसी जानकारी की आवश्यकता नहीं।
- आपके पास Photoshop CS6 या उसके बाद का कोई संस्करण होना चाहिए।

राजेंद्र प्रसाद एक एडोब विशेषज्ञ और प्रशिक्षक हैं। कक्षाओं, सेमिनारों और कार्यशालाओं का उनका वर्षो का अनुभव है। स्मार्ट फोटोग्राफी, टाइम्स जर्नल ऑफ फोटोग्राफी और एशियन फोटोग्राफी में उनके 75 से अधिक लेख प्रकाशित हो चुके हैं। वे डिजिटल इमेजिंग डिवीजन, IIPC के अध्यक्ष हैं। उन्हें Image Colleague Society, USA द्वारा Fellowship की उपाधि से सम्मानित किया गया है और Royal Photographic Society, London द्वारा Associateship प्रदान की गयी है।

We can conduct customized training in Photoshop/Lightroom
For video Visit : www.youtube.com/channel/UCZM4BH-m5bxnVetkWoyPoMQ
Facebook Page : https://www.facebook.com/Rajendra786/app/212104595551052/
E-mail : r.pd@rediffmail.com | **Mobile :** 9931950696

YouTube चैनल के लिये QR कोड स्कैन करें।

सम्पादक की कलम से ...

प्रिय साथियों,

इस समय कोरोना वायरस के कारण पूरा विश्व एक बड़े ही मुश्किल दौर से गुजर रहा है और यह दौर कितना लंबा चलेगा अभी कहना मुश्किल है। साथियों मुश्किल दौर में अपने आपको मजबूत बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है, हम लोगों को चाहिए कि इस मुश्किल दौर में सवर्प्रथम अपने देश, अपने परिवार की रक्षा करें इसके लिए जरूरी है कि हम अनुशासन का पालन करें। देश हित में सरकार द्वारा जो गाइडलाइन दी जा रही हैं उनका अक्षरत पालन करने की कोशिश करें। जितना हम अनुशासित होंगे और सरकार द्वारा बताए गए रास्ते में चलेंगे उतना हम इस मुश्किल दौर से जल्दी बाहर आ सकते हैं।

मित्रों अपने फोटोग्राफी व्यवसाय में भी इस वजह से बहुत गहरा असर पड़ा है क्योंकि फोटोग्राफी व्यवसाय में जो दौर चल रहा है उसमें वैसे ही तकनीक की वजह से हम लोगों की असमंजस की स्थिति थी और उससे उबरने की कोशिश हम लोग कर रहे थे। नए-नए कैमरे, पोस्ट प्रोडक्शन का कार्य चाहे वह वीडियो या फोटो में हो, नए आने वाले सॉफ्टवेयर तथा फोटोग्राफी से संबंधित ऐससरीज के बढ़ते इस्तेमाल से इनको सीखना भी एक चुनौती है।

मित्रों यह समय भले ही मुश्किल हो परंतु हमें हर मुश्किल से पार पाना होगा, संगठित होना होगा, एकजुट होना होगा, हम लोग ज्यादा से ज्यादा कोशिश करें कि घर के अंदर रहे, जब तक बहुत जरूरी न हो तब तक घर से न निकले। सोशल डिस्टन्सिंग का पालन करते हुये अपने हाथों को हर घंटे में साबुन से 20 सेकंड तक अच्छी तरह धोयें।

मित्रों यह एक मुश्किल दौर है लेकिन इस दौर से भी हम बाहर आ जाएंगे और अपने व्यवसाय पर ध्यान लगा पाएंगे परंतु इसके लिए यह जरूरी है कि हम अपने परिवार, अपने देश को बचाए रखें, जब हम स्वस्थ रहेंगे तो व्यवसाय तो दोबारा भी खड़ा कर सकते हैं, सरकार भी हर भारतवासी के लिए काम कर रही हैं उन पर विश्वास बनाए रखिए। फोटोग्राफी व्यवसाय करने वालों के लिये कुछ ना कुछ सरकार द्वारा प्लान होगा इसलिए मित्रों इस समय की सबसे जरूरी है कि हम घर पर रहकर अपने घर वालों एवं देशवासियों की मदद करें जिससे हम स्वस्थ रह सकें। भारत के नागरिक होने की वजह से हमारा दायित्व बनता है कि हम अपने मेडिकल तथा पुलिस विभाग एवं इस समय जितने लोग कंधे से कंधा मिलाकर अपनी ड्यूटी कर रहे हैं चाहे वह सफाई कर्मचारी हो, बिजली विभाग, जल विभाग, बैंक कर्मियों, मेडिकल स्टाफ, टेलीकॉम, मीडियाकर्मी इत्यादि, जिन्होंने आपके सारे कार्य को इस लॉकडाउन के बावजूद सुचारू रूप से पूर्ण करने में सहयोग कर रहे हैं उनको हमें धन्यवाद देना चाहिए, हमारा यह भी दायित्व है की कोशिश करें कि हमारे अगल-बगल जो गरीब लोग हैं जिनके पास खाने की व्यवस्था नहीं है जितना आपसे हो सके उनको खाने का सामान देना कोशिश करिये जिससे अपने भारतवर्ष में कोई भी इंसान भूखा ना सोने पाए।

आप घर पर बैठे-बैठे भी कार्य कर सकते हैं, हो सकता है ऊपर वाले ने आपको यह खाली समय दिया हो क्योंकि फोटोग्राफर साथियों को समय की बड़ी कमी रहती है इसलिए कोशिश करें कि इस समय को हम बेहतर इस्तेमाल कर सके, फोटोग्राफी में जो नयी तकनीक आ रही हैं उसके बारे में पढ़ें, ऑनलाइन वर्कशाप अटेंड करे, ज्यादातर कंपनी इस समय फ्री में ऑनलाइन वर्कशॉप दे रही है, घर बैठे उसका लाभ उठाये आज की तारीख में सब के पास मोबाइल है, मोबाइल के द्वारा आप आराम से इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक इत्यादि पर लाइव जुड़ कर इन वर्कशाप का लाभ ले सकते हैं। इस समय को हम अपने क्षेत्र में तकनीकी ज्ञान को आगे बढ़ाने में लगाए, जिससे जब लाकडाउन खुले तब हम अपने व्यवसाय को नयी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाये। फोटोग्राफर साथी इस समय का सही इस्तेमाल अपने स्टूडियो को डिजिटल मार्केटिंग द्वारा बढ़ावा देने में इस्तेमाल कर सकते हैं, सोशल मीडिया पर कैसे अपने व्यवसाय को बढ़ाना है इसको सीखने की कोशिश करें, फेसबुक में अपने स्टूडियो का पेज बनाइए, इंस्टाग्राम में अपना पेज बनाइए, जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक आपका कार्य पहुंच सके।

इस अंक में आपके स्वस्थ रहने की कामना के साथ, आप लोग घर पर रहें एवं स्वस्थ रहें।

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

टोकिना ने अपडेटेड 2010 लेंस रोडमैप के बारे में बताया, डीएसएलआर व मिररलेस कैमरा के लिए नए लेंस के साथ

अपना 70वां स्थापना दिवस बना रहे टोकिना ने सीपी+ पर जानकारी साझा करना तय किया है। इसके अंतर्गत आधुनिक 2020 लेंस डेवलेपमेंट रोडमैप के बारे में बताया गया, कुछ नए लेंस दिखाए गए जो कि डीएसएलआर व मिररलेस कैमरे के लिए 2020 में रिलीज करने की संभावना है।

रिकोह ने स्पेशल्टी कैमरों के लिए स्टार्टअप बनाया, अल्ट्रा कम्पैक्ट सेल्फी कैमरे से की शुरूआत

रिकोह ने विक्नोस यानी अपने नए स्टार्टअप का एलान किया है। यह पूरी तरह नए स्पेशल्टी कैमरे को विकसित करने पर ध्यान देगा। इसमें इनकी पहली डिवाइस भी शामिल है, नया 360 डिग्री कैमरा जो कि खासतौर पर सैल्फी को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

निकॉन ने रिलीज किया एन-लॉग 3डी एलयूटी अपने डी780 डीएसएलआर के लिए

निकॉन ने एक एन-लॉग 3डी लुकअप टेबल (एलयूटी) रिलीज की है। यह

डी780 डीएसएलआर पर एन लॉग गामा के साथ कलर ग्रेडिंग फुटेज कैप्चर के लिए है।

वर्ल्ड प्रेस फोटो ने 2020 फोटो प्रतियोगिता अवॉर्ड शो व फेस्टिवल कोविड-19 की वजह से कैंसिल किया

विजेता 16 अप्रैल को बताए जाएंगे, लेकिन अवॉर्ड शो व फेस्टिवल कोविड-19 के चलते चिंताजनक परिस्थितियों के चलते कैंसिल किया गया।

अडोब ने कोविड-19 के बीच छात्रों व एजुकेटर्स के लिए फ्री होम क्रिएटिव क्लाउड सर्विस का एलान किया

छात्रों व एजुकेटर्स केवल जिनके पास स्कूल में अडोब क्रिएटिव क्लाउड एप्लिकेशन है वह अब घर पर बिना किसी शुल्क के सीसी एप्लिकेशन 31 मार्च 2020 से इस्तेमाल कर सकेंगे।

लूम क्यूब 2.0 रिव्यू: पोर्टेबल लाइट स्टिल व वीडियो के लिए

लूम क्यूब 2.0 पहले से काफी बेहतर है, लेकिन अभी इसके स्मार्टफोन एप पर आशंका बनी हुई है। अपने प्रतियोगियों के मुकाबले यह महंगा भी है, लेकिन इसके फीचर व लाइट क्वालिटी से आपका दिल खुश हो जाएगा।

गोप्रो हीरो8 ब्लैकः एक्शन कैमरा वाकई सटीक होते हैं?

सुधार के बाद 2.0 स्टैबलाइजेशन वाकई प्रशंसनीय है। नई गोप्रो जेनरेशन वाकई

अच्छे अपग्रेड देती है।

ओलंपस टीजी-6 रिव्यू: मार्केट का सर्वश्रेष्ठ वॉटरप्रूफ कैमरा

तेज लेंस, जीपीएस और ट्रैकिंग फीचर्स व रॉ सपोर्ट के साथ ओलंपस फ्लैगशिप सर्वश्रेष्ठ वॉटरप्रूफ कैमरा है मार्केट में।

कोविड-19 के मध्य अमेरिका के प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स अपनी 1100 से अधिक क्लासेस में मुफ्त एक्सेस दे रहे हैं

वह फोटोग्राफर्स जो इस आपदा में घर में है उनके लिए प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स ने 1100 से अधिक ऑनलाइन क्लास मुफ्त में खोल दी हैं अगले दो सप्ताह के लिए।

मेटाबोन्स का नया ईएफ आरएफ स्पीड बूस्टर कैनन ईओएस आर 4के क्रॉप फैक्टर को कम करता है

मेटाबोन ने रिलीज किया नया स्पीड बूस्टर जो कि कैनन ईओएस आर फुल फ्रेम कैमरा सिस्टम में मिलने वाला 4के वीडियो क्रॉप फैक्टर की स्पीड कम करता है। इस अडैप्टर के साथ, फोटोग्राफर्स कैनन ईएफ फुल फ्रेम लेंस के साथ कैनन आरएफ माउंट का प्रयोग कर सकते हैं, 1.75× 1.24× से ईओएस आर 4के क्रॉप और 1.63× से 1.15× तक इओएस आरपी कम कर सकते हैं।

कैनन वीडियो कैमरा वर्कशॉप, फोटोग्राफर्स कल्याण समिति, प्रयागराज (12 मार्च 2020)

डिजीफ्लिक वर्कशॉप, लखीमपुर (18 मार्च 2020)

स्टूडियो न्यूज तिमाही फोटो कम्पिटीशन में सर्वश्रेष्ठ फोटो के लिये वाराणसी के रंजन गौर को 64जीबी पेनड्राइव व प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए स्टूडियो न्यूज के सम्पादक सुरेन्द्र सिंह बिष्ट एवं साथ में कुलदीप नारायण एवं बिपिन मिश्रा

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 10 | लखनऊ, सोमवार, 6 अप्रैल 2020 से 5 मई 2020 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

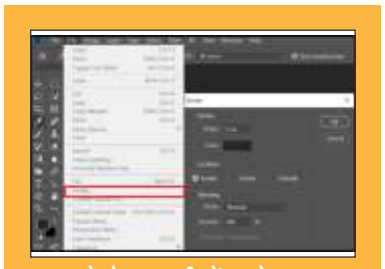

फोटोशाप सीखें - पेज 4

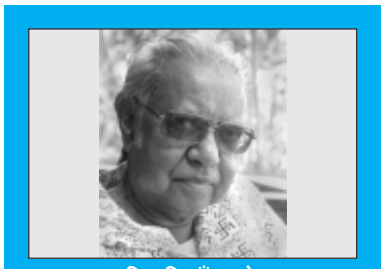

महान विभूतियाँ - पेज 6-7

लॉकडाउन व फोटोग्राफी - पेज 8-9

फूड फोटोग्राफी में स्टाइलिंग - पेज 12

वायरलेस ट्रांसमीशन - पेज 14

फूजीफिल्म X-T200

मिररलेस 4K कैमरा - अतुल्य छवि गुणवत्ता के साथ

अपनी कहानियों को प्रोत्साहन दीजिए

अपने हर दिन का लुत्फ उठाइए। खूबसूरत यादें हर रोज़ की कहानी में जोड़ने का मौका मत गंवाइए। फूजीफिल्म एक्स-टी200 प्रोफेशनल स्तर की खूबियों को चुटकियों तक पहुंचाता है, साथ ही देता है नया हल्के वजन व छोटी मिररलेस कैमरा बॉडी जिसमें है हाई रिजॉल्यूशन ईवीएफ, सटीक व त्वरित फेस डिटेक्शन AF, 8 fps, पर 24.2mp स्टिल क्रिएट करने और 4K UHD वीडियो रिकॉर्ड करने की क्षमता लगभग किसी भी एंगल से वाइडस्क्रीन एलसीडी टच स्क्रीन के साथ।

अभूतपूर्व इमेज गुणवत्ता किसी भी परिस्थिति में। हूबहू तस्वीरें हमेशा के लिए संजोने के लिए।

- बड़ा APS-C CMOS इमेज सेंसर लगभग 24.2 मेगापिक्सल
- अच्छे प्रदर्शन के लिए कॉपर वायरिंग
- हाइब्रिड फेज व कंट्रास्ट डिटेक्शन ऑटो फोकस
- तेज प्रदर्शन ऑटो फोकस आपके हर लम्हे के लिए तैयार रहेगा

सटीक चेहरा व आंखें पहचानना

अपडेट हुआ चेहरा व आंखें डिटेक्शन एएफ किसी भी अकेले व्यक्ति व लोगों के झुंड को आसानी से व जल्दी फोकस करता है। यदि कैमरा का एलसीडी मॉनिटर बाहर की ओर निकला हो तो यह अधिक संभव है और इसका उपयोग सेल्फी के लिए किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, ऑटोमेटिड फंक्शन कैमरे को फ्रेम में सब्जेक्ट ट्रैक कर पहचानने की अनुमति देते हैं।

कम-रोशनी में कमाल का प्रदर्शन

कैमरे के कॉपर वायर प्रोसेसर द्वारा एडवांस इमेज प्रोसेसिंग से कम रोशनी में -2.0EV तक फोकस प्राप्त करें और पाएं कमाल की इमेज गुणवत्ता कम न्वाइज में।

परफेक्ट इमेज की राह पर

एक्स-टी200 में है वैरी एंगल 3.5 इंच / 16:9 अनुपात एलसीडी टच स्क्रीन जो कि 0 से 180 डिग्री में खोला व बंद किया जा सकता है तथा -90 से +180 डिग्री के बीच घुमाया जा सकता है। यह आपको देता है कैमरा के फीचर पर नियंत्रण और ब्राइटनेस, बैकग्राउंड ब्लर जैसी सेटिंग को ठीक करने में इस्तेमाल किया जाता है।

कलर साइंस

फूजीफिल्म के रंग विज्ञान ने विश्व भर के इमेज निर्माताओं के बीच एक बेमिसाल स्थान दिया है। 85 साल के इतिहास में इसने कई ऐतिहासिक फोटोग्राफिक फिल्मों को अंजाम दिया है, साथ ही एक्स टी200 में इंस्टॉल 11 डिजिटल फिल्म स्टिम्यूलेशन मोड में यह जानकारी डाली है। इन फिल्म स्टिम्यूलेशन मोड में बनी इमेज उन फिल्मों जैसी ही हैं जो कि उन्हें प्रेरित करती हैं, और यह रचनात्मक तस्वीरें बनाने में मददगार है।

एडवांस फिल्टर के साथ खुद को रचनात्मक तरह से व्यक्त करें

लाइट सोर्स पर जोर दें, कंट्रास्ट बढ़ाएं, रेट्रो इफेक्ट जोड़ें, या फिर नया क्लैरिटी फिल्टर आजमाइए और इमेज पर व्यक्तिगत रचनात्मक भाव जोड़ें।

उच्च गुणवत्ता 4के व फुल एचडी वीडियो रिकॉर्डिंग मोड

एक्स टी200 उत्पन्न करता है 4के (3840×2150) वीडियो रिकॉर्डिंग 6के वीडियो पर। यह देता है अद्भुत इमेज क्वालिटी। स्टाइल इफेक्ट डालने के लिए भी फिल्म स्टिम्यूलेशन का प्रयोग कर सकते हैं।

नया एचडीआर फिल्म मोड

कई वीडियो को एक साथ जोड़ें एक्सपोजर सेटिंग के साथ, डायनामिक रेंज बढ़ाएं और परछाई व हाईलाइट के साथ मूवी बनाएं।

यह उन स्थितियों के लिए ठीक है जहां तेज बैकलाइट है, या फिर आउटडोर सीन जहां परछाई व हाईलाइट हों।

जहां डार्क होगा, वहां संभवतः फंक्शन उतने प्रभावी न हों।

नया डिजिटल गिम्बल

कैमरा बॉडी में इन्स्टॉल सेंसर मदद करता है यह जानने के लिए कि कैसे डिजिटल इमेज स्टैबलाइजेशन अप्लाई किया जाए, इससे वीडियो आराम से कैप्चर होती है।

यूएसबी टाइप सी टर्मिनल और Φ3.5 एमएम मिनी स्टीरियो जैक

मॉनिटर से कनेक्ट कीजिए एक्सटर्नल माइक्रोफोन व हेडफोन और व्लॉगिंग से आसान वीडियो बनाने के लिए हाई क्वालिटी ऑडियो रिकॉर्डिंग को सक्षम कीजिए एप्लिकेशन्स के लिए।

एक्स सिस्टम

अवॉर्ड विजेता एक्स माउंट के बड़े रेंज वाले लेंस फोकल लेंथ की पूरी रेंज कवर करते हैं और देते हैं 35एमएम फॉर्मेट एंगल व्यू 12 एमएम से 609 एमएम तक।

घर बैठे फोटोशॉप सीखें

राजेन्द्र प्रसाद
ARPS (LONDON), FICS (USA)
HON FSAP (INDIA), ASIIPC (INDIA)
डिजिटल इमेजिंग डिवीजन इंडिया इंटरनेशनल फोटोग्राफिक काउंसिल नई दिल्ली के अध्यक्ष
Blog - https://digicreation-blogspot-com/

(भाग-7)

Marquee Tool (मार्की टूल)

इस ट्यूटोरियल में हम Marquee Tool के बारे में विस्तार से जानेंगे। मार्की टूल एक सिलेक्शन टूल है इससे हम इमेज के किसी हिस्से को सेलेक्ट कर अलग कर सकते हैं जिससे आप केवल उस हिस्से पर पर काम कर सके और इमेज के दूसरे हिस्से पर कोई भी प्रभाव ना पड़े।

आइए अब मार्की टूल को एक्टिवेट करें। टूल बार में सबसे ऊपर दाईं तरफ मार्की टूल होता है इस पर क्लिक करके आप इसे खोल सकते हैं इस टूल के आइकॉन के नीचे आपको एक छोटा सा ट्रायंगल दिखाई देगा यह जान लें कि अगर किसी टूल के नीचे यह ट्रायंगल बना है तो यह इस बात का संकेत है कि इस टूल के अंदर कई और टूल छिपे हुए हैं। Marquee Tool का शॉर्टकट M है।

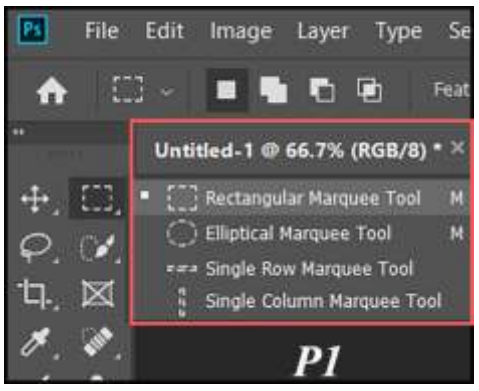

टूल बार में मार्की टूल पर क्लिक करें एक टूलबॉक्स खुल जाएगा और इसमें छिपे टूल्स आपको दिखेंगे Rectangular marquee tool, Elliptical Marquee tool, Single row marquee tool, Single column Marquee tool.

आइए पहले Rectangular marquee tool (रैक्टेंगुलर मार्की टूल) के बारे में जाने इसके लिए पहले एक खाली डॉक्यूमेंट को खोलें। अब चारों टूल्स में रैक्टेंगुलर मार्की टूल को क्लिक करके उसे चुन लें, अब अपने डॉक्यूमेंट में किसी जगह पर क्लिक करें और डायग्नली माउस को ड्रैग करें आपके सामने एक आयताकार एरिया सिलेक्ट हो जाएगा।

इस रेक्टेंगल के चारों तरफ एनिमेटेड लाइन दिखेंगे यह फोटो शॉप का अपना तरीका है सिलेक्टेड एरिया को दिखाने का। अब आप जो भी काम करेंगे वह इसी एरिया के अंदर होगा।

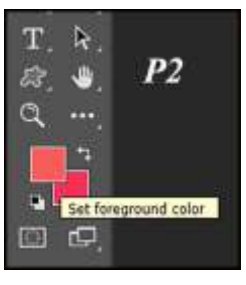

Foreground Color में कोई कलर ले लें और ALT+DELETE दबाएं आप देखेंगे कि यह सिलेक्शन रंग से भर गया है यह ध्यान दें कि रंग उसी एरिया में भरा है जो सिलेक्टेड है, इससे आपको पता चल गया होगा कि किसी एरिया को सेलेक्ट करके अगर हम कोइ काम करें तो वह उसी एरिया के अंदर होगा। ALT+DELETE एक Shortcut है जिससे किसी एरिया में आप फोरेग्रॉउंड कलर को भर सकते हैं।

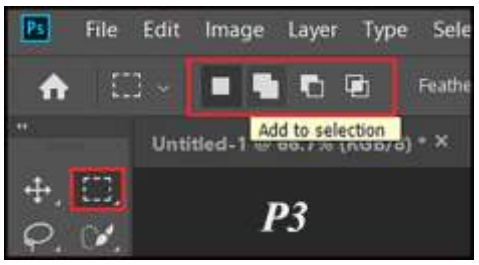

रैक्टेंगुलर मार्की टूल एक आयताकार एरिया सेलेक्ट करता है पर अगर आप इससे वर्गाकार एरिया सेलेक्ट करना चाहे तो रैक्टेंगल बनाते समय SHIFT बटन दबाकर रखें आप देखेंगे कि अब यह वर्गाकार एरिया सिलेक्ट कर रहा है।

अगर आप किसी सिलेक्शन में कुछ बदलाव लाना चाहते हैं तो वह भी आप कर सकते हैं इसके लिए आप इस टूल के Tool Option Bar को देखें टूल ऑप्शन बार मीनू के नीचे होता है यहां आपको तीन विकल्प मिलेंगे Add to selection, Subtract from selection, Intersect with selection. आइए का प्रयोग करके देखें।

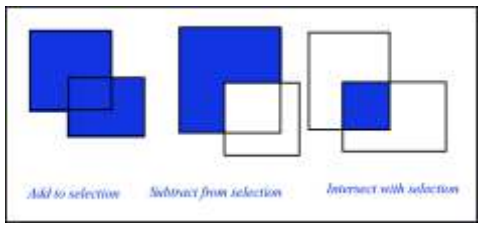

पहले किसी भी तरह का एक सिलेक्शन बनाएं अब Add to Selection आईकॉन को क्लिक कर दें और उसी सेलेक्शन के ऊपर किसी भाग पर दूसरा सिलेक्शन बनाएं आप देखेंगे कि दोनों सिलेक्शन मिलकर एक हो गए हैं आप इस तरह कई सेलेक्शन को जोड़कर एक नया सिलेक्शन बना सकते हैं।

अब फिर से एक एरिया सिलेक्ट करें और इस बार Subtract from selection बटन को दबा दें और पहले की तरह पहले सेलेक्शन को ओवरलैप करते हुए एक दूसरा सिलेक्शन खींचे इस बार आप पाएंगे कि पहले सिलेक्शन के जिस भाग को दूसरा सिलेक्शन ओवरलैप कर रहा था वह भाग कटकर अलग हो गया है।

अब फिर एक रैक्टेंगुलर एरिया सिलेक्ट करें इस बार Intersect with selection दबा दें और फिर पहले रैक्टेंगुलर सिलेक्शन को ओवरलैप करते हुए एक दूसरा सिलेक्शन बनाएं आप देखेंगे कि सेलेक्शन का केवल वही भाग कटकर बच गया है जहां दोनों सेलेक्शन ओवरलैप कर रहे थे।

अब टूलबॉक्स में Elliptical Marquee Tool को सेलेक्ट करें। एलिप्टिकल मार्की टूल से हम अंडाकार (Oval Area) सिलेक्ट कर सकते हैं। आप डॉक्यूमेंट पर एक जगह माउस से क्लिक कर ड्रैग करें आपके सामने एक ओवल एरिया सिलेक्ट हो जाएगा अगर आप एक गोलाकार (Circular) एरिया को सेलेक्ट करना चाहते हैं तो SHIFT बटन दाबे रहते हुए माउस ड्रैग करें तो एक Oval Area के बजाये एक सर्किल बन जाएगा।

इस सेलेक्शन में पहले की तरह किसी दूसरे सेलेक्शन को Add, Subtract या Delete कर सकते हैं यह करके खुद देखें।

अब तीसरे टूल Single row Marquee tool को सेलेक्ट करें यह यह टूल एक पंक्ति (Row) को सेलेक्ट करने का काम करता है इस tool को सेलेक्ट कर ड्रैग करें यह एक क्षैतिज पंक्ति (Horizontal row) को सेलेक्ट कर लेगा अब इसमें कलर भरने के लिए एक नया

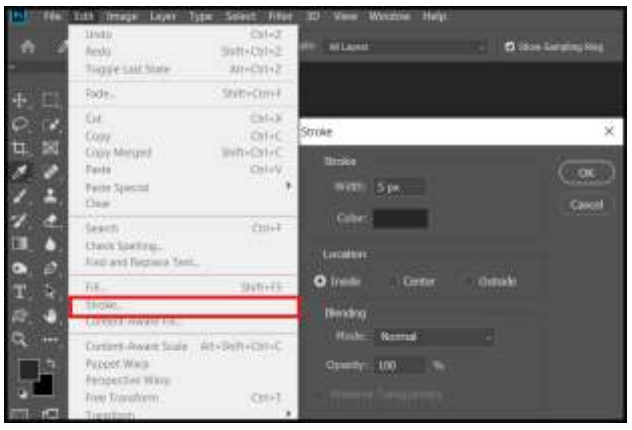

तरीका सीखें Edit Menu को खोलकर Stroke पर क्लिक करें एक बॉक्स आपके सामने खुल जाएगा इसमें जितनी मोटाई का रो बनाना है उतनी चौड़ाई का पिक्सेल चुने यहां मैं 10 पिक्सेल चुन रहा हूँ अब नीचे फोरेग्रॉउंड कलर पर क्लिक करके कोई कलर चुनें और ओके बटन दबा दें आपका रो 10 पिक्सेल मोटे कलर से भर जाएगा पर अभी भी आप इस पर एनिमेटेड सिलेक्शन लाइन देख रहे होंगे इन्हें हटाने के लिए Select मीनू खोलें और deselect को दबा दें यह सिलेक्शन हट जाएगा डिसेलेक्ट करने का शॉर्टकट CTRL+D है आप इसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसी तरह Single column marquee tool एक ऊर्ध्वाधर स्तंभ (vertical column) बनाता है इसे भी स्ट्रोक की सहायता से आप कलर भर सकते हैं जैसा कि आपने ऊपर किया था।

आइए अब सिलेक्शन का इस्तेमाल एक फोटोग्राफ पर करके देखें इसके लिए मैं एक बच्ची की तस्वीर को खोल रहा हूँ और इसके बगल में इसी के आकार का एक खाली डॉक्यूमेंट भी खोल लें। अब Elliptical marquee tool से तस्वीर के सेंटर के किसी एरिया को सेलेक्ट करें सिलेक्ट करते समय हो सकता है कि सही एरिया सेलेक्ट न हो तब आप फिर से नया एरिया सेलेक्ट करेंगे पर ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं एक TIP याद कर लें ellipse बनाने के बाद माउस को छोड़े नहीं और Shift दबा दें अब आप देखेंगे कि आप सिलेक्शन को मनचाही जगह पर खिसकाकर कर किसी दूसरे एरिया को सिलेक्ट कर सकते हैं।

अब हम इस सिलेक्टेड एरिया को कॉपी करेंगे इसके लिए कॉपी करने का शॉर्टकट CTRL+C दबा दें अब नए खाली डॉक्यूमेंट को क्लिक कर एक्टिवेट करें और वहां CTRL+V दबा कर इसे पेस्ट कर दें आप देखेंगे कि सिलेक्टेड एरिया खाली डॉक्यूमेंट पर पेस्ट हो गया है पर आप देखेंगे कि सलेक्शन के किनारे शार्प हैं जिससे यह बैकग्राउंड से ठीक तरह से ब्लेंड नहीं हो रहा है।

फोटोशॉप किसी सेलेक्शन के किनारे को सॉफ्ट करने को Feathering का नाम देता है। आइए फिर से पहले की तरह एक एरिया सिलेक्ट करें अब सिलेक्शन के किनारे को सॉफ्ट करने के लिए Select Menu में Modify को खोलें और Feather पर क्लिक कर दें या आप इसका शॉर्टकट SHIFT+F6 भी इस्तेमाल में ला सकते हैं। इससे एक बॉक्स खुल जाएगा जहाँ आप feather का radius सिलेक्ट कर सकते हैं feather का radius यह निर्धारित करता है कि सिलेक्शन का किनारा कितना सॉफ्ट रहेगा मैं यहां 50 टाइप कर रहा हूँ आप यहां कितना feather का radius सिलेक्ट करेंगे यह आपकी इच्छा पर निर्भर करता है और इस पर भी निर्भर करता है कि आप कितनी Feathering चाहते हैं अब पहले की तरह इस सेलेक्शन को कॉपी करें और दूसरे खाली डॉक्यूमेंट में पेस्ट कर दें आप देखेंगे कि आपकी तस्वीर में एक अच्छा सॉफ्ट Vignette इफेक्ट आ गया है आपने ऐसी तस्वीर बहुत देखी होगी आज आपने उन्हें बनाने का तरीका भी सीख लिया है। अपनी एक तस्वीर को खोलें और यह इफेक्ट उस पर अप्लाई कर के अभ्यास करें।

इस अंक में इतना ही अगले अंक में फिर आपसे मुलाकात होगी तब तक के लिए अलविदा आपका दिन मंगलमय हो।

Vignette with feathering using Elliptical Marquee

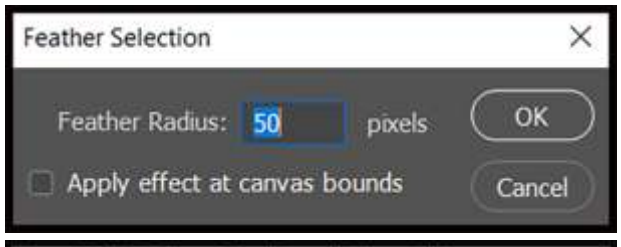

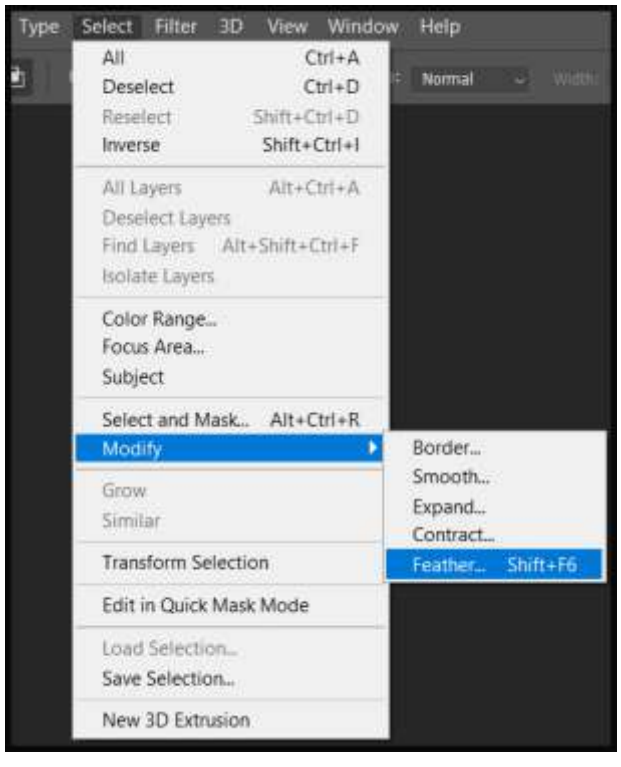

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 अप्रैल 2020 से 5 मई 2020

भले ही तस्वीरें आपको अतीत की तस्वीर बताती हो लेकिन यही तस्वीरें भविष्य के लिए आपके दरवाजे खोलती हैं। - शैली मान

महान विभूतियाँ

भूदेव भगत EFAIP, Hon. ECPA
(5 मई 1942 - 21 जून 2015)

भूदेव भगत

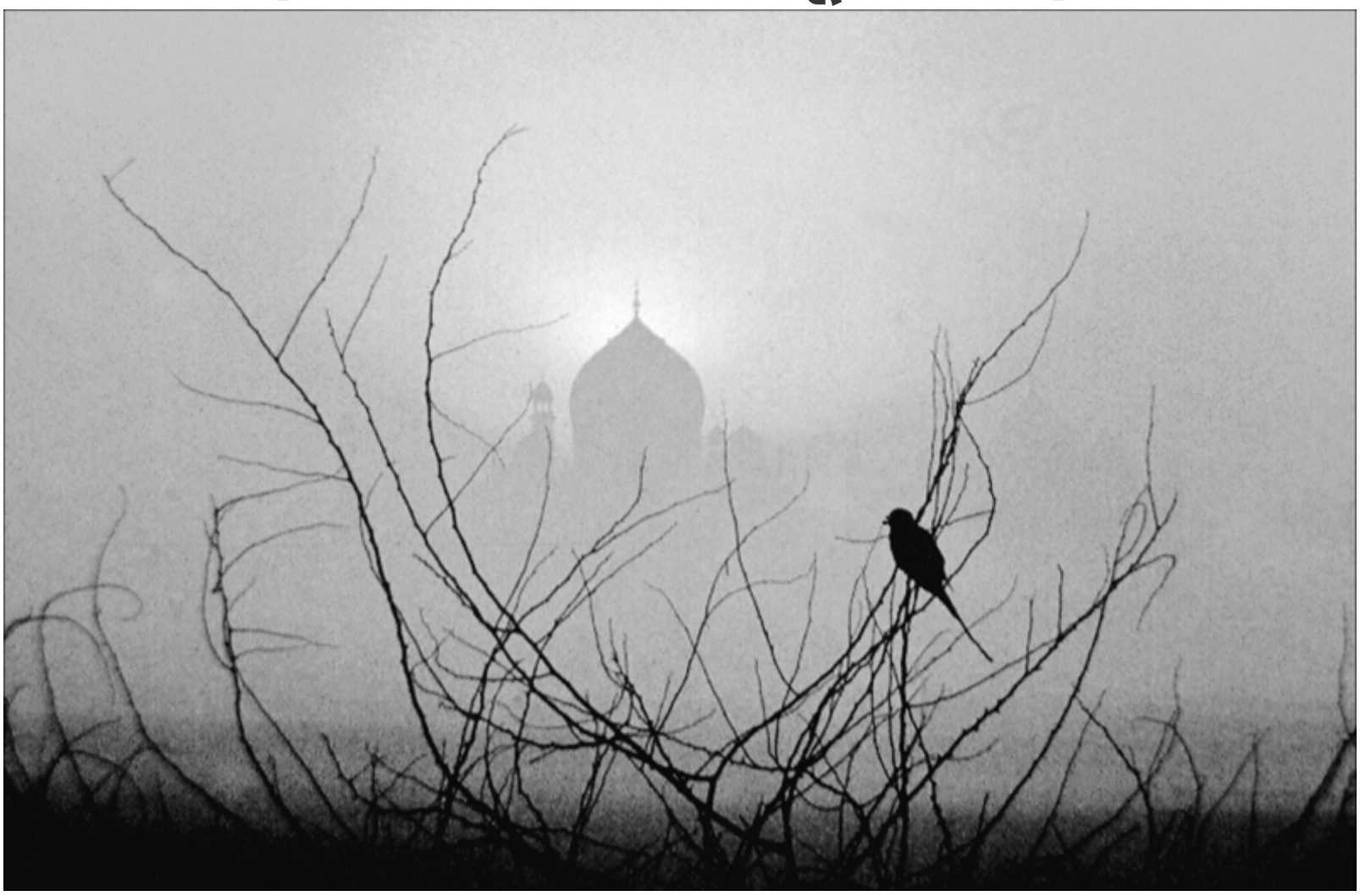

भूदेव भगत का जन्म उनके पूर्वजों के घर राखा-माइन में 5 मई 1942 को हुआ, यह जगह टाटा नगर रेलवे स्टेशन के काफी करीब है। उनके पिता टाटा स्टील लिमिटेड (उस समय टिस्को TISCO Ltd.) में कार्यरत थे, उनके जन्म के बाद उनका परिवार जमशेदपुर में बस गया। उनकी स्कूल की पढ़ाई लिखाई स्टील सिटी जमशेदपुर में हुई।

वर्ष 1962 में भूदेव भगत ने घर से भाग कर कलकत्ता के आर्ट व क्राफ्ट कॉलेज में दाखिला ले लिया और पांच वर्ष बाद उनके हाथ में विजुअल आर्ट में स्नातक की डिग्री थी। उनके पिता उन्हें इंजीनियरिंग बनाना चाहते थे इसी लिये उन्होंने घर से भागकर कलकत्ता के आर्ट व क्राफ्ट कालेज में दाखिला लिया था, यदि वो इंजीनियर बन जाते तो उनके भीतर का कलाकार शायद मर जाता। कोलकाता में रहते हुए उन्होंने उस्ताद केरामतुल्लाह खान से तबले की तालीम ली, उस्ताद अपने समय के लाजवाब तबला वादक थे।

भूदेव फोटोग्राफी में अपनी बुद्धिमत्ता, चित्रकला व संगीत के लिए जाने जाते थे। पूरे विश्व से उन्हें करीब 350 पुरस्कार मिलें, 90 दशक की शुरूआत में यूनेस्को ने भी उन्हें अवॉर्ड से नवाजा।

स्नातक करने के बाद ही उन्हें कोलकाता में नौकरी मिल गई जिसे कुछ समय तक करके वह वापस जमशेदपुर आ गए। आमदनी के लिए उन्होंने जमशेदपुर में अपना फोटो स्टूडियो खोला। नवंबर 1989 में उन्हें जमशेदपुर के नेशनल मेटालर्जिकल लैब में बतौर फोटोग्राफर नौकरी मिल गई, वर्ष 2002 में वह यहीं पर असिस्टेंट मैनेजर हुए।

इंटरनेशनल फेडेरेशन ऑफ फोटोग्राफिक आर्ट द्वारा वर्ष 1986 में उन्हें AFIAP और 1992 में EFIAP पुरस्कार मिला।

अपने करियर में काफी बाद में उन्होंने लिखने के शौक को खोजा। उनकी बांग्ला किताब बिबरनो पोस्ट कार्ड कहानियां और ऑटोबायोग्राफी में, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की उनके दादा के गांव में मुलाकात से लेकर महान फिल्म मेकर सत्यजीत रे तक शामिल हैं, इन लोगों से मुलाकात का भूदेव भगत के दिल और दिमाग पर गहरा असर हुआ और इससे उनके जीवन के आयाम पर भी गहरा असर किया।

उनकी बुद्धि ही थी जो उन्होंने जीवन के कई आयामों पर गौर किया। बांग्ला में उनकी दो छोटी कहानियों की किताब भी थी, "मध्यालय" और "कोरस"। यह किताबें उनके जीवन के अनुभव व घटनाओं पर आधारित हैं। उन्होंने एक किताब और छापी है, इसका नाम है "जौहर जौहर", यह संथली गांवों के जीवन पर आधारित उनकी तस्वीरों की किताब है।

भूदेव सत्यजीत रे के बड़े प्रशंसक थे। उन्होंने सत्यजीत रे के भावों पर कई स्केच बनाए और उनकी की एक किताब बनाई-लेजेंड सत्यजीत रे।

भूदेव अपनी उम्दा फोटोग्राफी, पेंटिंग और संगीत के लिए जाने जाते थे। पिक्टोरियल फोटोग्राफी की ओर उनका रूझान था और उन्होंने कलर स्लाइड व ब्लैक एंड व्हाइट में शानदार पिक्टोरियरल काम किया।

भूदेव ने कभी डीएसएलआर नहीं इस्तेमाल किया। उनका पसंदीदा था

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 अप्रैल 2020 से 5 मई 2020

एक चीज जो आप मेरे चित्रों में देखते हैं वह यह है कि मैं इन लोगों के साथ प्यार करने में नहीं डरता।- एनी लिबविट्ज

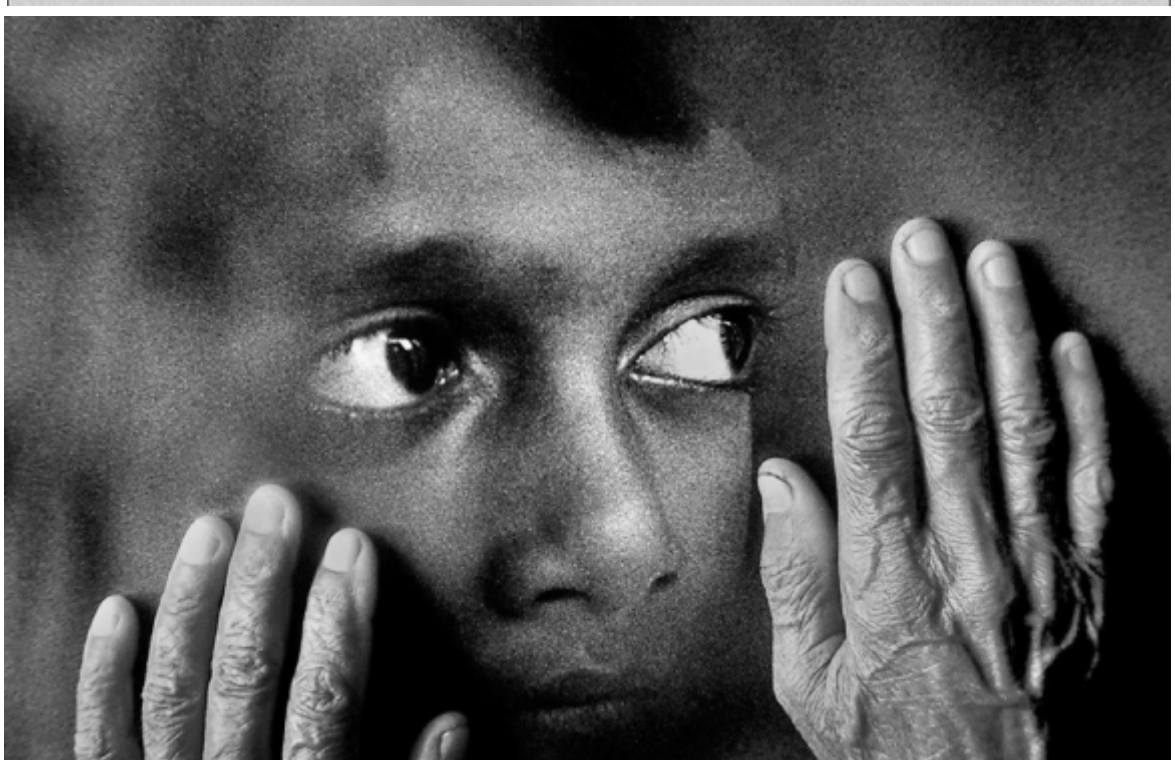

प्रोज्यूमर डिजिटल कैमरा जो वह अपने साथ हमेशा लेकर चलते थे। उनका मानना था कि कैमरा नहीं बल्कि कैमरे के पीछे जो व्यक्ति है वह मायने रखता है, क्योंकि अंततः उसे ही तस्वीरें बनानी हैं। भूदेव ने अपना यह कथन अपने शानदार काम से साबित भी किया।

वह तस्वीर क्रिएट करने के लिए आर्टिस्ट और फोटो आर्टिस्ट के बीच का फर्क बताते थे। एक आर्टिस्ट पेंट और ब्रश के साथ कैन्वास फ्रेम पर अपनी तस्वीर बनाता है और उसमें कई तत्व जोड़ता भी है। लेकिन एक फोटो आर्टिस्ट अनचाहे तत्वों को हटा कर कैमरा से देखते हुए तस्वीर बनाता है।

भूदेव ने मानव संबंध व झारखंड की पीड़ा पर कुछ खास तस्वीरें निकाली, कुछ सालों तक वह डिजिटल माध्यम में प्रयोग करने में व्यस्त रहे। एक बार उन्होंने कहा था, "बतौर छात्र मेरे सत्यजीत रे से वार्तालाप ने मुझे अपने चित्रकार के गुण को निखारने में मदद की। उन्हें रंगीन के मुकाबले ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफ ज्यादा अच्छी लगती थीं।

मैं भूदेव भगत जी से एक बार सन् 1990 में फोटोग्राफी सोसायटी ऑफ बिहार, पटना के अखिल भारतीय सैलन ऑफ फोटोग्राफी की जजिंग के दौरान मिला था। मुझे वह शांत, सुलझे हुए और कम शब्दों में अपनी बात कहने वाले लगे, उनकी शालीनता वाकई बेहद आकर्षक थी। कोलकाता में तीसरे ईसीपीए इंटरनेशनल सैलून में निर्णायक मंडली में मैं 25 साल बाद उनसे दूसरी बार भी मिल पाता, लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था और 21 जून 2015 को उन्होंने देह त्याग दी।

उनके अपने शब्दों में, "अपनी तस्वीरों को टच अप करने के लिए फोटोशॉप का इस्तेमाल कर रहा हूँ। अप्लाइड आर्ट का छात्र होने के नाते कुछ नवीन करने की सोची है। प्रयास है कि अपनी तस्वीरों को कलात्मक बनाऊं, इसलिए पेंसिल से नए मैनुअल टेक्चर बनाए हैं। डिजिटल फोटोग्राफी ने मुझे कुछ नया करने के लिए मौका दिया है, पहले डार्करूम में फोटो ठीक करना बहुत कठिन होता था, फिल्म की गुणवत्ता के भरोसे रहना मेरी मजबूरी थी।" उनके मित्र रॉबिन बनर्जी ने ठीक ही कहा था, "भूदेव भगत का जीवन खुद ही एक तस्वीर था।" भूदेव भगत अद्भुत कलात्मक पिक्टोरियल कार्य के लिए अत्यंत सराहे जाते थे।

भूदेव भगत की मृत्यु 21 जून 2015 को हुई, वह काफी समय से बीमार थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी चंद्रिका और इकलौता बेटा चंद्रदेव हैं जो कि मुंबई में रहते हैं। भूदेव भगत अपनी चित्रकारी, फोटोग्राफी, कहानियां व कविताओं के माध्यम से हमेशा जीवित रहेंगे। वह बेहद शालीन व्यक्तित्व थे जो कि सदैव हमारे दिलों में रहेंगे।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

कोविड 19 : लॉकडाउन व फोटोग्राफी

मुकेश श्रीवास्तव
FIE, FFIP, EFIAP
इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

कोविड 19 ने गंभीर रूप से हमला बोला है। 22 मार्च से हम सभी भारत सरकार के निर्देशानुसार लॉकडाउन की स्थिति में है। हम कोरोना वायरस से खुद का बचाव करने के लिए घर पर हैं। नतीजतन, हम कोई भी आउटडोर फोटो शूट नहीं कर पाए। वेडिंग व स्टूडियो फाटोग्राफर्स के लिए मुमकिन नहीं है कि वह अपना काम कर कमा पाएं।

इसमें कोई शक नहीं कि यह एक अजीब परिस्थिति है जो अपने साथ कई सामाजिक साइड इफेक्ट भी लाई है। एक या दो दिन के लिए घर में बैठना फिर भी मुमकिन है लेकिन लोगों के लिए एक दो सप्ताह या उससे भी ज्यादा घर के अंदर कठिन हो रहा है। हम सामान्य तौर पर ऐसी स्थितियों के आदी नहीं हैं और हम इस बात को भी नजरअंदाज कर देते हैं कि खाली वक्त में क्या किया जाए।

एफआइएपी (इंटरनेशनल फोटोग्राफी फेडरेशन एक्रेडिट बाइ यूनेस्को) भी "We stay home" (हम घर पर) कैंपेन को बढ़ावा दे रही है। घर पर अपनी तस्वीरें लेने से बेहतर और क्या हो सकता है? इसी वजह से एफआइएपी ने एक अंतरराष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता रखी है, यह पूरे विश्व के फोटोग्राफर्स के लिए है। घर में फोटो लीजिए।

शर्तिया रूप से हम घर पर बैठे-बैठे किसी भी वस्तु को लेकर अपने कैमरे के साथ प्रयोग कर सकते हैं। हम पुराने फोल्डर खोलकर तस्वीरें एडिट भी कर सकते हैं। समय का सदुपयोग करते हुए फोटोग्राफी की नई तकनीक, एडिटिंग तकनीक को पढ़कर अपनी जानकारी बढ़ा सकते हैं और इससे काम भी मजबूत होगा।

इस महीने मैंने यह किया:

1. "कोरोना से भय" थीम पर कुछ फोटो शूट
2. पुरानी कुछ तस्वीरे एडिट की
3. कुछ मैक्रोज क्लिक किए

मैं स्टूडियो न्यूज के पाठकों के लिए अपना यह काम प्रस्तुत कर रहा हूं।

थीमः कोरोनावायरस से भय

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 अप्रैल 2020 से 5 मई 2020

हम तस्वीरों के जरिए यह समझने की कोशिश करते हैं कि हमारे लिए जिंदगी के क्या मायने हैं। -राल्फ हेटर्सले

पोस्ट प्रोसेस्ड मार्च 2020 में खींची तस्वीरें

मेरे घर के गार्डेन में मैक्रो क्लिक

मेरी मॉडल्स सुनंदा कुमारी और प्रिया झा का शुक्रिया मेरे क्रिएटिव शूट पर साथ काम करने के लिए।

अपना ख्याल रखिए, सुरक्षित रहिए, स्वस्थ्य रहिए।

छठवीं बुरांश लैंडस्केप कार्यशाला

Group Photo - 6th Buransh Landscape Workshop - Photo-Ankit Porwal

छठीं बुरांश लैंडस्केप फोटोग्राफी कार्यशाला बुरांश रिट्रीट, कौसानी में 4 से 8 मार्च, 2020 को आयोजित की गई। पूरे भारत से करीब 46 लोगों ने इसमे हिस्सा लिया। गंभीर फोटोग्राफर्स के लिए ही यह कार्यशाला थी, इसलिए परिवार के सदस्य, यहाँ तक कि पति या पत्नी भी साथ में आमंत्रित नहीं किए गए थे।

कार्यशाला में लैंडस्केप फोटोग्राफी के लिए लखनऊ से अनिल रिसाल सिंह व उत्तराखण्ड से थ्रीश कपूर, फूड फोटोग्राफी के लिए इंदौर से गुरदास दुआ, बर्ड फोटोग्राफी के लिए बैंगलुरू से एच. सतीश ने अपने क्षेत्र का ज्ञान दिया और प्रतिभागियों के बीच अपने अनुभव भी साझा किए।

चार मार्च को पहले दिन थ्रीश कपूर ने कार्यशाला के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया, और सभी प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया। अनिल रिसाल सिंह ने "मेकिंग ऑफ द लैंडस्केप" के प्रजेंटेशन के अन्तर्गत, लैण्डस्केप फोटोग्राफी की कला व विज्ञान के पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इंदौर से आए अंकित पोरवाल ने विभिन्न आयामों की

Introduction of Workshop by Threesh Kapoor - Photo-Ankit Porwal

Faculty Gurdas Dua taking WS of Food photography

Workshop session in progress - Photo-Ankit Porwal

Faculty - Threesh Kapoor - Anil Risal Singh - Gurdas Dua - H.Satish

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 अप्रैल 2020 से 5 मई 2020

अगर मेरे हाथ में कैमरा है तो मैं जानता हूं कि मुझे किसी तरह का डर नहीं है। - एलफ्रेड स्टिग्लिट्स

सामान्य कार्यशाला आउटिंग

पहला पुरस्कार- गिरीश मायाचारी

दूसरा पुरस्कार- लवेश खरे

बुरांश कैंपस

पहला पुरस्कार- अनंता मूर्ति

दूसरा पुरस्कार- अनीता मैसूर

तस्वीरें दिखाईं। लवेश खरे, मनीष पाठक, सुमित गर्ग और मौंटू जैन ने अपनी-अपनी शार्ट वीडियो फिल्मस् दिखाईं, इसी के साथ पहले दिन के कार्यकलाप समाप्त हुए।

पांच मार्च को दूसरे दिन ग्वालदाम व बैजनाथ में आउटिंग की व्यवस्था की गई। सुबह के नाश्ते के बाद बेंगलुरू से आए श्रीनाथ नरायन ने स्टार ट्रेल फोटोग्राफी के बारे में चर्चा की। शाम को सभी बिजोरिया गांव गए और बेंगलुरू के एच सतीश ने बर्ड फोटोग्राफी पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत कर दिन समाप्त किया।

तीसरे दिन छह मार्च को इंदौर के गुरदास दुआ ने फूड फोटोग्राफी पर लंबा सत्र रखा। उन्होंने इस विषय पर कई तकनीकी बिंदुओं के बारे में बाकायदा प्रयोग कर के दिखाया। सभी के साथ उन्होंने प्रोफेशनल टिप्स भी साझा की। शाम को हिमायल दर्शन श्रीश कपूर द्वारा प्रस्तुत किया गया-इसमें उन्होंने हिमालय व वहां के लोगों की स्तब्ध कर देने वाली तस्वीरें दिखाईं।

चौथे दिन सात मार्च को कसौनी में सैर रखी गई। इस दिन खूबसूरत रोशनी थी, पूरा दिन प्रतिभागियों ने लैंडस्केप फोटोग्राफी का लुत्फ उठाया। शाम पांच बजे तक सबने अपने-अपने फोटोग्राफ्स फोटोग्राफी प्रतियोगिता के लिए जमा कीं, प्रतियोगिता का विषय था- (Buransh Campus and General Workshop Outing) बुरांश कैंपस व सामान्य कार्यशाला। एच. सतीश, गुरदास दुआ और अनिल रिसाल सिंह निर्णायक मंडल में थे।

शाम को अंतिम चरण में फोटो प्रतियोगिता के विजेताओं को अवार्ड और सर्टीफिकेट एवं सभी प्रतिभागियों को सर्टीफिकेट दिये गए।

कैंप फायर के बाद कार्यशाला का समापन हुआ। आठ मार्च की सुबह सभी प्रतिभागी बुरांश रिट्रीट से अपने-अपने गंतव्य स्थानों के लिए रवाना हो गए।

Pics : Anil Risal Singh

फूड फोटोग्राफी में स्टाइलिंग का महत्व

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एडं फोटोग्राफर

Pic-1

Pic-2

Pic-3

Pic-4

खाद्य जगत में मशहूर वाक्य 'We eat with our eyes first अर्थात हम पहले अपनी आँखों से खाते हैं' की अहमियत इस बात से भली भांति लगायी जा सकती है कि आज प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर दिखने वाला हर एक फूड कंपनी या रेस्टोरंट का विज्ञापन न सिर्फ हमें अपने तरफ आकर्षित करता है बल्कि हमारी इन्द्रियों को सक्रिय कर हमें उस खाद्य पदार्थ खरीदने के लिए प्रोत्साहित भी करता है। कभी सोचा है इस पूरे क्रम में सबसे ज़्यादा महत्त्व किसका है- आप में से ज़्यादातर लोग उस विज्ञापन में लगी फोटो और खींचने वाले फोटोग्राफर को ही संपूर्ण श्रेय देंगे, पर उस प्रोडक्ट को आकर्षक बनाने में फोटोग्राफर के अलावा और भी किसी का योगदान रहता है। यह योगदान होता है एक प्रोफेशनल फूड स्टाइलिस्ट का, जो कि खाने को ख़ास कैमरे के लिए तैयार करता है और उन सभी बारीकियों का ख्याल रखता है ताकि वह फोटो में सम्पूर्णतः जीवंत लगे। खाने के आलावा उपयुक्त क्राकरी और बैकग्राउंड का चुनाव का ज़िम्मा भी उसी का होता है। कई बार फूड को खूबसूरत बनाने के लिए वह अखाद्य पदार्थो का भी प्रयोग करता है ताकि कई घंटो तक वह खाना तरो ताज़ा दिखाई पड़े।

किसी रेस्टोरेंट में सर्व होने वाले फूड और होर्डिंग में दिखने वाली उसी की फोटो के अंतर से तो आप सभी वाकिफ ही है - उदाहरण के तौर पे याद करे उस बर्गर को जो आप ने पिछली बार किसी नामी फ़ास्ट फूड चेन में आर्डर किया था और फिर तुलना करे उसकी वहाँ के मेनू या डिस्प्ले बोर्ड पे दिखने वाली उसकी फोटो से - शेफ द्वारा बनाया हुआ स्वादिस्ट बर्गर और स्टाइलिस्ट द्वारा बनाया गया खूबसूरत बर्गर के बीच अब आपको अंतर बखूबी समझ आ जायेगा।

अक्सर लो बजट शूट्स में एक अलग स्टाइलिस्ट को हायर करना काफी कठिन होता है, ऐसे समय में फोटोग्राफर को यदि कुछ बेसिक स्टाइलिंग का ज्ञान हो तो काम करना न सिर्फ आसान रहता है बल्कि कई बार कुछ जटिल शॉट्स में शेफ या कुक को भी कुछ टिप्स देकर शॉट को सराहनीय बनाया जा सकता है। इस लेख में हम कुछ स्टाइलिंग टिप्स और टेक्निक्स के साथ-साथ प्रॉप्स सिलेक्शन की भी बात करेंगे।

प्लानिंग - किसी भी फोटो को शूट करने के पहले उसके थीम को समझना बहुत ज़रूरी है। बड़े बजट के शूट्स में यह कार्य एडवरटाइजिंग एजेंसी के आर्ट डायरेक्टर की सूझ-बूझ से आसान हो जाता है, पर कम बजट शूट्स में यह कार्य भार भी फोटोग्राफर पर ही होता है। ऐसे में क्लाइंट के द्वारा दिए गए ब्रीफ को समझना, शूट होने वाले फूड के लुक और टेक्सचर से वाकिफ होना, उसके उपयोगकर्ता की उम्र और पसंद को जानना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। प्लानिंग के दौरान यह सब चीज़ो को लिख लें और निम्नलिखित पॉइंट्स को ध्यान में रखते हुए एक स्टोरी बोर्ड या रफ़ लेआउट बना ले और उसी के अनुसार शूट वाले दिन के लिए पहले से ही सब सामान तैयार रखे ताकि शूट करने में न सिर्फ समय की बचत हो परन्तु सब्जेक्ट की ताज़गी भी बनी रहे। Pic 1-2 (रफ़ लेआउट - फाइनल शॉट)

मूड- अलग-अलग स्टाइलिंग द्वारा एक ही सब्जेक्ट को कई मूड्स में खींचा जा सकता है। Pic 3 में जहाँ हल्के रंग का बैकग्राउंड, अंडे और साइड से आ रही सॉफ्ट लाइट गर्मी की एक सुबह का मूड दर्शाती हैं वहीं Pic 4 में वही मफिन लकड़ी की ट्रे और नैपकिन के साथ अलग मूड दर्शाते हैं।

बैकग्राउंड - प्रॉप्स : फूड स्टाइलिंग में बैकग्राउंड और प्रॉप्स बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। शुरुवात करने के लिए कुछ रंगबिरंगे कागज़, अच्छे टेक्सचर वाले लकड़ी के टुकड़े, प्लेन या हल्के डिज़ाइन वाले टेबल मैट्स या पेंट किये हुए गहरे रंग के कैनवास आप सब्जेक्ट, मूड और थीम को ध्यान में रखते हुए चयन कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर Pic-5 में कई रंगो का समन्वय और Pic-6 में हरे लाल का कंट्रास्ट देख कर के आप स्वतः ही होली और क्रिसमस का अंदाज़ लगा सकते हैं। फीके पड़ चुके एल्युमीनियम या लोहे के टुकड़े या पुरानी दीवारों के टेक्सचर भी अच्छी बैकग्राउंड का काम करते हैं। बैकग्राउंड चुनते समय हमेशा फूड या सब्जेक्ट के रंग और टेक्सचर का ध्यान रखें। न्यूट्रल रंग जैसे सफ़ेद, काला, भूरा या ग्रे का चयन शुरूवाती दौर के लिए बहुत सहायक रहता है।

बैकग्राउंड के साथ-साथ फूड रखने के लाये उपयुक्त बर्तन या क्राकरी का चयन भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। सफ़ेद रंग की क्राकरी (Pic-7) के साथ शुरू करके धीरे-धीरे आप रंग बिरंगी या एंटीक दिखने वाली क्राकरी को भी उपयोग में ला सकते हैं। चीनी-मिटटी, टेराकोटा, मैट फिनिश वाले धातु के बर्तन, कांच या कोई भी अन्य मैटेरियल ले सकते हैं, बस शूट करते समय उसका फूड से तालमेल बनायें रखें।

सही प्रॉप्स का चयन शुरूवाती दौर में थोड़ा मुश्किल ज़रूर लगेगा परन्तु समय के साथ यह स्वतः आसान प्रतीत होने लगेगा। शूट होने वाले फूड की रेसिपी में इस्तेमाल हुई सामग्री, जैसे उसमें पड़े मसाले, सब्ज़ियाँ या उसके साथ खाने या पीने वाले अन्य खाद्य पदार्थ या पेय को भी आप प्रॉप्स की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। ज़रूरत के हिसाब से कुछ फूल, कटलरी इत्यादि भी फ्रेम में रख सकते हैं बस यह ध्यान रखें कि यह अतिरिक्त वस्तुएं मुख्य सब्जेक्ट से ज़्यादा ध्यान न खीचें। उदाहरण के तौर पर Pic-8 में सफ़ेद पेंट किये हुए लकड़ी के फट्टे और नैपकिन जहाँ अच्छी बैकग्राउंड का लुक देते हैं वहीं मिटटी का बर्तन और उसमें रखा पारम्परिक व्यंजन और साथ में रखी उसी में इस्तेमाल हुई कुछ सामग्री पिक्चर को परिपूर्ण करती हैं।

कई बार पिक्चर में हाथ, धुएं, कुछ गिरे हुए खाने के छोटे टुकड़ो का इस्तेमाल न सिर्फ सब्जेक्ट में ड्रामा डालता है बल्कि उसे और जीवंत भी बनता है (Pic-9)

टिप्स - ट्रिक्स

फूड शूट करते समय इन टिप्स और ट्रिक्स से आप साधारण से दिखने वाले फूड को भी मनमोहक बना सकते हैं।

- धनिया, पुदीना या कोई भी हरी पत्तियों को इस्तेमाल करने से पहले बर्फ के पानी में रखें।
- सब्ज़ियों के प्राकृतिक रंग बनाये रखने के लिए उसे उसे अधपका रखें।
- सेब, नाशपाती या कोई भी काले पड़ने वाले फल सब्ज़ी को नीबू या सिरके के पानी में भिगोये और पोछ कर इस्तेमाल करें।
- स्प्रे बोतल से फल सब्ज़ी या ठन्डे पेयों के ग्लासों पर स्प्रे करने से वह और प्राकृतिक लगते हैं।
- सूप या करी जैसे तरल पदार्थो पर काली मिर्च, मिर्च पाउडर/कुछ मसाले, क्रीम या चिकनाई डाल कर क्लिक करें इससे उनमें थोड़ा टेक्सचर दिखेगा।
- चमक के लिए फलों, पास्ता या नूडल्स जैसे फूड्स पर ब्रश की सहायता से थोड़ा रिफाइण्डया नारियल तेल लगाए ताकि वह फ्रेश लगें।
- छोटी प्लेट और बर्तन इस्तेमाल करें।
- सलाद, पेय या लेयर्ड फूड्स जैसे कस्टर्ड, पुडिंग इत्यादि को भली भाँति दिखाने के लिए कांच के बर्तनों का उपयोग करें।
- बर्फ, धुआँ और पानी की बूंदो से टेक्सचर बढ़ायें।
- आइसक्रीम शूट करते समय पहले से स्कूप बना कर फ्रीज करें।
- खाने कि मात्रा यदि कम है और बर्तन बड़ा है तो बर्तन में पहले या तो पलट कर अंदर एक छोटा बर्तन रख लें या फिर फॉयल में लपेट कर थोड़ा गुंथा आटा रख लें और फिर खाना रखें, इससे पूरा बर्तन भरा होने का आभास होगा।

फूड स्टाइलिंग किट

फूड स्टाइलिंग के लिए एक अलग किट बना लें और उसमे स्टाइलिंग में प्रयोग आने वाले कुछ उपयोगी टूल्स हमेशा साथ रखें -

ट्वीज़र या चिमटी - धनिया, पुदीना या किसी भी छोटी वस्तु को सही जगह ठीक से रखने के लिए।

तेज़ धार वाला चाकू, एक चोप्पिंग बोर्ड, 2-4 पतले पेंटिंग ब्रश फूड के ऊपर सॉस या तेल लगाने के लिए, एक तेज़ छोटी कैंची, एक स्प्रे बोतल - फल सब्ज़ियों पर पानी की बूँदें डालने के लिए, कुछ पैपर नैपकिन, एक साफ़ हैंड टॉवल, कुछ नए ईयर बड्स - छोटे धब्बे पोछने के लिए, लकड़ी के कुछ चम्मच और कांटें, कुछ मीटर सुतली, डबल साइडेड टेप, कुछ पिन, एक छोटी बोतल ग्लिसरीन - पानी की कृत्रिम बूंदो के लिए, टूथपिक और कुछ आर्टिस्ट क्ले - फूड्स को एंगल में खड़ा करने के लिए भी उसमे रखें।

थोड़ी सी सूझ-बूझ, अच्छी नेचुरल या स्टूडियो लाइट और एंगल का प्रयोग करके आप किसी भी सब्जेक्ट में नयी जान डाल सकते हैं और अपनी फूड फोटोग्राफी को आसानी से साधारण से असाधारण बना सकते हैं।

Pic-5

Pic-6

Pic-7

Pic-8

Pic-9

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 अप्रैल 2020 से 5 मई 2020

फोटोग्राफी वह कहानी है, जिसे मैं शब्दों में बयां करने में विफल हो जाता हूँ। - डेस्टिन स्पार्क्स

लॉक डाउन में फोन कैमरा बन सकता है अभिव्यक्ति का बेहतर माध्यम

स्मार्टफोन फोटोग्राफी को पॉपुलर बनाने के लिए काम कर रहे वरिष्ठ छायाकार **अतुल हुंडू** बता रहे हैं लॉकडाउन में फोन कैमरा से घर में क्या-क्या तस्वीरें ली जा सकती हैं।

करोना की वजह से विश्व संकट के दौर से गुज़र रहा है। इससे बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग ही सबसे बेहतर बचाव है। ऐसे समय में स्मार्टफोन खुद को अभिव्यक्त करने का एक अच्छा माध्यम हो सकता है। ज़रूरत है सही विषय-वस्तु का चुनाव, थोड़ा तकनीकी ज्ञान और क्रिएटिविटी की। तकनीक का चुनाव विषय से जुड़ा है इसलिए सबसे पहले बात करते है विषय की।

सोशल आइसोलेशन के दौरान जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर दिख रही है उन्ही के अनुसार हमने कुछ विषय चुने हैं। फूड/स्टिल लाइफ फोटोग्राफी, फूल पत्ती, फॅमिली फोटोग्राफ/पोर्ट्रेट्स, मैक्रो फोटोग्राफी, क्रिएटिव फोटोग्राफी और वीडियो।

फूड फोटोग्राफी :

यह स्टिल लाइफ फोटोग्राफी का ही एक हिस्सा है। सुनने में यह सब्जेक्ट जितना आसान लगता है उतना चैलेंजिंग है। स्टाइलिंग इसका ज़रूरी अंग है। सब्जेक्ट के रंग, आकार और रौशनी का ध्यान रखते हुए खाने की वस्तु को घर पर मिलने वाले प्रॉप्स के साथ स्टाइल करे। ध्यान रखे कई बार स्टाइलिंग में फोटोग्राफी से ज़्यादा समय भी लग सकता है।

खिड़की से आती डिफ्यूज लाइट इसके लिए परफेक्ट है। सूरज की सीधी रौशनी फूड फोटोग्राफी के लिए अनुपयुक्त है। कन्ट्रास्टी लाइट फूड के (खास करके हल्के रंग के) टेक्सचर और लुक को ख़राब कर सकती है। अच्छे फूड फोटोग्राफ में सिर्फ सिर्फ खाने की वस्तु ही नहीं होती। तस्वीर को ज़्यादा इंट्रेस्टिंग बनाने के लिए बैकग्राउंड में डिश से जुडी अन्य खाद्य सामग्री, बर्तन, नैपकिन आदि का उपयोग का सकते हैं।

डिश के लिए सही आकर की सर्विंग प्लेट व कटलरी का इस्तेमाल करे। कोशिश करें कि डिश फ्रेश लगे। फिल लाइट के लिए छोटे रिफ्लेक्टर का इस्तेमाल कर सकते है। कम रौशनी में ली गई फोटो, आईएसओ बढ़ जाने की वजह से ग्रेनी हो सकती है। इसलिए मैन्युअल सेटिंग्स में लाइट अनुसार कम से कम आईएसओ रखे। स्टेब्लिटी के लिए ट्राइपॉड का प्रयोग करें। एडिटिंग में ओवर सैचुरेशन अवॉइड करे। ध्यान रखे फूड का फ्रेश दिखना बहुत ज़रूरी है।

फॅमिली फोटोज (सिंगल/ग्रुप) :

जब कम रौशनी में तस्वीरे ली जाती हैं तो दो समस्याएँ हो सकती है। पहला, शटर स्पीड का स्लो होना, जिससे फोटो हिल सकती है। दूसरा, आईएसओ बढ़ाने से फोटो का ग्रेनी होना। हम उपरोक्त स्थितियों से कैसे बच सकते है?

इस काम के लिए आदर्श तरीका है इनडायरेक्ट नेचुरल लाइट का प्रयोग। घर में तस्वीरें लेते समय सभी खिड़कियां दरवाजे खोल दें या ऐसा स्थान चुने जहाँ अच्छी रौशनी हो। बालकनी, आँगन या छत पर फोटो लेते समय सूरज की सीधी तेज़ रौशनी की जगह छायादार जगह चुने।

जहाँ तक हो फ़ोन फ़्लैश का प्रयोग न करे। फ़ोन का एलईडी फ्लैश छोटा होने की वजह से स्ट्रांग और कन्ट्रसटी लाइट देता है। फ़्लैश की जगह सब्जेक्ट को रौशनी वाली जगह शिफ्ट करके या उन्हें प्रकाश की ओर घुमाकर बेहतर परिणाम लिए जा सकते है।

कम रौशनी में फ्लैश के ऊपर एक सफ़ेद कागज से प्रकाश को सॉफ्ट कर सकते हैं। वास्तव में यह तकनीक काम करती है।

सिंपल और साफ सुथरा बैकग्राउंड चुने और अगेंस्ट लाइट सिचुएशन अवॉयड करें।

लो और हाई एंगल से तस्वीरों में एक अलग डाइनेमिज्म क्रिएट किया जा सकता है। इसके लिए आप चेयर पर खड़े होकर या बैठ/लेटकर भी फोटोज ले सकते है। लैंडस्केप ओरिएंटेशन से ज़्यादा बैकग्राउंड को फ्रेम में लिया जा सकता है। कभी-कभी उँगलियां, आँखे, कपड़ों की स्टाइल जैसे डिटेल्स के क्लोज़अप भी कहानी बयां करने का एक उम्दा तरीका हो सकते है।

अच्छी फोटो में शार्प फोकस ज़रूरी है। इसके लिए फ्रेमिंग करते समय सब्जेक्ट के चेहरे पर टैप करके फोकसिंग सुनिश्चित करें। क्लोजअप लेते समय हमेशा आँखों पर फोकस करें। ऑटो मोड में ऑटो फोकस की तरह कैमरा एक्सपोज़र भी स्वतः ही सेट कर लेता है। ज़रूरत पड़ने पर एक्सपोज़र कंपनसेशन द्वारा आप तस्वीरें में लाइट को घटा या बढ़ा सकते है। ऐसे मौकों की तलाश करे जब कि लोग अपने आप में रमे हों। इस तरह आपको कैंडिड मूड कैप्चर करने का मौका मिलेगा। फोटो में बोकेह इफ़ेक्ट के लिए पोर्ट्रेट मोड का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। फ़ोन कैमरा का गन्दा लेंस तस्वीर के डिटेल ख़राब कर सकता है इसलिए कैमरालेंस साफ़ रखें क्यों की शायद वैसा मूड दुबारा न मिले।

मैक्रो फोटोग्राफी/क्लोज़अप :

मैक्रो फोटोग्राफी बहुत रचनात्मक है। तस्वीरों में छोटी चीज़ों को बड़ा देखना अपने आप में अनोखा अनुभव है। आप के गार्डन के छोटे फूल, पत्तियों के डिटेल और इन पर रहने वाले कीड़ों की फोटोग्राफी के लिए स्मार्टफोन उपयुक्त है पर इसके लिए मैक्रो लेंस से युक्त मल्टीपल कैमरा सेटअप वाले स्मार्टफोन या प्लगन-इन मैक्रो लेस की ज़रूरत है। इस तरह की मैक्रो फोटोग्राफी के लिए आप मैग्नीफाइंग लेंस को फ़ोन लेंस के आगे पकड़ कर तस्वीरें ले सकते है। क्लोज़अप के लिए डिजिटल ज़ूम का प्रयोग बिलकुल न करे। इससे तस्वीर में डिटेल नहीं आएगें और उसका रेसोलुशन भी कम हो जाएगा। अगर आप के पास मैक्रो की सुविधा नहीं है तब भी आप फ़ोन से बढ़िया क्लोज़अप शॉट्स ले सकते है बस धैर्य के साथ सब्जेक्ट के साथ कुछ समय बिताइए।

क्रिएटिव फोटोग्राफी :

- **बूंदों के खूबसूरत शॉट :** पानी में थोड़ी ग्लीसरीन मिला कर ड्रॉपर की सहायता से किसी पतली तार पर पानी की बूंदे बना ले। ग्लीसरीन की वजह से बूंदे ज़्यादा देर तक टिकी रहेगी। बूंदों के पीछे फूल या कोई फोटो रख दे। अब फ़ोन कैमरा से इन बूंदों के मैक्रो शॉट लेने पर उस फूल या फोटो की उलटी तस्वीरें दिखाई देगी। याद रहे मैक्रो फोटोग्राफी के दौरान फोकसिंग पर बहुत ध्यान देने की ज़रूरत होती है। कुछ मिलीमीटर आगे या पीछे होने से तस्वीर धुंधली हो सकती है। इसलिए एक्स्ट्रा शॉट्स लेना बेहतर है।
- **पानी पर तेल की बूंदों का मैक्रो :** शीशे के गिलास में पानी भर ले। इसमें तेल की कुछ बूंदे डाल कर हिला ले। सतह पर तेल की बूंदे बिखर जाएगी। फिर किसी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ रंगबिरंगे पैटर्न खोल ले और उस पर गिलास रख दें। अब अपने फ़ोन से सतह पर दिख रही उन बूंदों के क्लोज़अप ले। बेहतर है तस्वीरें मैक्रो मोड पर या मैक्रो लेंस की सहायता से ली जाए। सतह पर रखे मोबाइल में दिख रहे पैटर्न बूंदों के अंदर से बहुत सुन्दर लगेगे।
- **बर्फ के अंदर जमे फूल :** छोटे फूल या पत्तियां लेकर उसे पानी में डाल कर फ्रीज कर दे। बर्फ के अंदर दिख रहे इन रंगबिरंगे फूल पत्तियों को अलग अलग लाइट कंडीशन में शूट करे।
- **परफेक्ट हाई स्पीड एक्शन शॉट :** परफेक्ट एक्शन क्लिक करना आसान नहीं होता।

Pic : Atul Hundoo (Portrait)

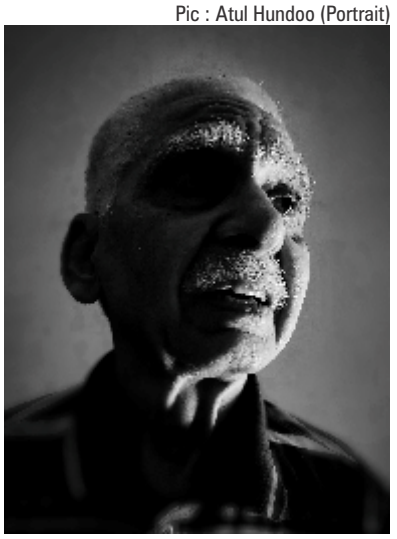

Pic : Abdul Saboor (Macro)

लेकिन आप फोन के बर्स्ट मोड से एक्शन फ्रीज कर सकते हैं। बर्स्ट मोड में आपका फ़ोन तब तक लगातार तस्वीरें लेता है जब तक आपकी उंगली शटर बटन पर है। इस तरह एक्शन भी मिस नहीं होता। बर्स्ट मोड ज्यादातर स्थितियों में अच्छी तरह से काम करता है सिवाय इसके कि जब पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध न हो। एक्शन को फ्रीज करने के लिए सही प्रकाश वाली जगह का चुनाव करे। इस तकनीक से गुब्बारे की फूटती हुई तस्वीर या स्प्लैश फोटोग्राफी जैसे सब्जेक्ट भी शूट किये जा सकते हैं।

लाइट-पेंटिंग : इसके लिए ज़रूरत है एक फ़ोन (जिसमे मैन्युअल कैमरा सेटिंग्स हो), लाइट पेंटिंग के लिए एक छोटी एलईडी टार्च या एक फ़ोन, ट्राइपॉड और अँधेरा कमरा। अगर आप के फ़ोन में लॉन्ग एक्सपोज़र का ऑप्शंन न हो (15 से 30 सेकंड) तो किसी लॉन्ग एक्सपोज़र कैमरा ऐप को प्ले-स्टोर से डाउनलोड कर सकते है। अपने कैमरा का फ़्लैश ऑफ कर दे और कैमरा को सब्जेक्ट के सामने ट्राइपॉड पर माउंट करे। फिर मैन्युअल सेटिंग्स में जा कर 15 से 30 सेकंड का एक्सपोज़र (शटर स्पीड) सेट करें। फिर कमरे में अँधेरा करके कैमरा का शटर दबाए। इसके बाद एलईडी लाइट, मोबाइल स्क्रीन या टार्च को सब्जेक्ट के चारो तरह घुमाए। लॉन्ग एक्सपोज़र के दौरान लाइट सोर्स का मूवमेंट अनोखे पैटर्न बनाएगा। एक परफेक्ट तस्वीर के लिए आप को कई बार एक्सपेरिमेंट करना पड़ेगा। अगर आप का सब्जेक्ट ट्रांसपेरेंट है तो यह और भी अच्छा लग सकता है।

वीडियो :

अच्छे वीडियो में स्टोरी लाइन/विषय बहुत महत्वपूर्ण होती है। विषय का चुनाव करते समय एक छोटी सी स्क्रिप्ट बना ले उसी हिसाब से शूट की अवधि और शॉट्स प्लान करें। जहां तक संभव हो रिकॉर्डिंग करते समय कैमरा मूवमेंट अवॉइड करे। अगर ज़रूरी हो तो कैमरा मूवमेंट स्मूथ होना चाहिए। ज़्यादातर फॉर्मेट में वीडियो हारिजॉन्टल फ्रेम में देखे जाते है इसलिए फ़ोन को शूट करते समय वर्टीकल न पकडें। कम रौशनी में ली गई वीडियो के शैडो एरिया में ग्रेन आ सकते है। इसलिए रौशनी का ख्याल रखे।

फूटते हुए गुब्बारे जैसे हाई स्पीड एक्शन का स्लो-मोशन वीडियो और आसमान में बादलों का उड़ना जैसे स्लो मूवमेंट वाले सब्जेक्ट का टाइम लैप्स देखने वालों को आकर्षित करते हैं।

किसी भी कम्पलीट वीडियो में ऑडियो भी बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए रिकॉर्डिंग के समय ऑडियो का ख्याल रखे। एडिटिंग के समय अगर ऑडियो इम्पोर्टेन्ट नहीं है तो उसे हटा कर अलग से बैकग्राउंड म्यूजिक का इस्तेमाल किया जा सकता है।

लम्बे-लम्बे शॉट्स की जगह 8-10 सेकंड के कई क्लिप्स रिकॉर्ड करे। क्लिप्स में कुछ वाइड एंगल शॉट्स, कुछ मिड शॉट्स और कुछ क्लोज़अप होने चाहिए। विजुअल वैरायटी बहुत ज़रूरी है। इससे एडिटिंग के बाद फाइनल वीडियो ज़्यादा प्रोफेशनल लगेगा।

अब सब्जेक्ट अनुसार चुनी क्लिप्स का क्रम निर्धारित करे और क्लिप्स को वीडियो एडिटिंग ऐप से एडिट करे। हर फ़ोन की इनबिल्ट वीडियो एडिटिंग ऐप के अलावा प्लेस्टोर से किसी भी ऐप को चुना जा सकता है। किनेमास्टर, विवा वीडियो, एडोबी क्लिप जैसी बहुत सी ऐप के फ्री वर्जन प्ले-स्टोर पर मौजूद हैं और इन्हें इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। फाइनल वीडियो की अवधि 2 मिनट से ज़्यादा की न रखे।

माना कि प्रोफेशनल क्वालिटी आउटपुट के लिए एसएलआर कैमरा ज़रूरी है। लेकिन अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति को सोशल नेटवर्क पर शेयर करने के लिए स्मार्टफोन कैमरा उपयुक्त हैं। थोड़ी सी क्रिएटिविटी और कुछ नया करने की थोड़ी इच्छा शक्ति से आप बेहतर वीडियो और फोटो लेने में सफल होंगे।

Pic : Sanjay Kanti Seth (Macro Creative)

Pic : Rohit Madhvan (Creative Photography)

Pic : Farina Khalid (Food)

हॉलीलैण्ड मार्स 400एस

वायरलैस ट्रांसमीशन उपकरण हॉलीलैण्ड मार्स 400एस की उपयोगिता के बारे में बता रहे हैं जाने माने फोटोग्राफर

- आर. प्रसन्ना

जीने का तौर तरीका बदल दिया है वायरलेस उपकरणों ने, लेकिन इन बदलवों के कारण ही तो प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स को नए आयाम खोजने की सहूलियत मिली है। ऐसी ही एक डिवाइस है हॉलीलैंड तकनीक मार्स 400 एस। यह एक वायरलेस वीडियो ट्रांसमिटर है जिसे 400 फीट तक सीधी दिशा में प्रयोग किया जा सकता है।

तो क्या है वायरलेस वीडियो ट्रांसमिटर और कैसे यह फोटोग्राफर्स के लिए सहायक है?

आसान है इसे समझना। एक अच्छी भीड़ वाली शादी में रस्मों के भावनात्मक पलों को वीडियोग्राफर्स भारी कैमरे लेकर कैप्चर करते हैं। कैमरा एक एलईडी से लंबे केबल के माध्यम से जुड़े होते हैं ताकि दर्शक लाइव वीडियो की एक झलक देख सकें।

यहां एक समस्या है, लंबे केबल। लंबे केबल चलने फिरने में दिक्कत करते हैं और लोग इससे फंस सकते हैं, या यह कैमरे से अलग भी हो सकते हैं। तो यहां पर काम आती है वायरलेस वीडियो ट्रांसमिटर तकनीक।

हॉलीलैंड का यह मार्स 400 एस एक एंट्री लेवल 1080पी60 ट्रांसमिटर/रिसीवर है जिसमें है 400' लाइन ऑफ साइट ट्रांसमिशन रेंज। एक छोटे डिजाइन में ट्रांसमिटर व रिसीवर दोनों के पास एसडीआइ और एचडीएमआई कनेक्शन है। दोनों प्रकार के कनेक्शन में आपके पास चुनाव की गुंजायश रहती है व विकल्प होते हैं।

इसके अलावा वैकल्पिक रूप से दूसरे रिसीवर को ट्रांसमिटर से लिंक कर सकते हैं जिससे उसी वक्त वह सिग्नल ले सके। ट्रांसमिटर बिल्ट इन वाई फाई से चार मोबाइल डिवाइस तक सिग्नल भेज सकता है, चाहे उसी वक्त रिसीवर को सिग्नल क्यों न भेजा जा रहा हो। इससे अलग अलग लोग, विभाग सेट पर कैप्चर हुई इमेज को देख सकेंगे। इमेज हॉलीव्यू एप में भेजी जाती है। यह एप आइओएस व एंड्रयॉयड के साथ कंपैटिबल है।

ट्रांसमिटर व रिसीवर के पास बिल्ट इन एल सीरीज बैट्री प्लेट है और साथ ही सपोर्ट डीसी पॉवर भी। बैट्री अलग से मिलती है। एक पावर अडैप्टर मिलता है ताकि रिसीवर की ओर से शुरूआत की जा सके। दोनों यूनिट के पास एक ओएलईडी डिस्प्ले है जो कि रिज्यॉल्यूशन, ट्रांसमिशन चैनल, सिग्नल व अन्य जानकारी पुख्ता करता है। 30 मिनट बचे होने पर यह डिस्प्ले "लो बैट्री" का सिग्नल देता है।

मार्स 400 की एक खूबी यह भी है कि यह एक चैनल स्कैन फंक्शन है। ओएलईडी डिस्प्ले के माध्यम से आप जिस भी पर्यावरण में हैं वहां हर ट्रांसमिशन चैनल का स्टेटस देख सकते हैं। इस फीचर से आप जान पाएंगे कि कौन सा चैनल ठीक है और कौन सा गड़बड़। अगला फीसेचर है सीन मोड सेलेक्शन। यह आपको तीन अलग प्रकार के सीन मोड चुनने की सहूलियत देता है आपके पर्यावरण के मुताबिक। यह तीनों मोड आपको वीडियो क्वालिटी, विलंबता यानी लेटेंसी, इत्यादि के बीच प्रमुखता को चुनने में मदद करेंगे। विलंबता यानी लेटेंसी से मतलब है लाइव डिस्प्ले में कैमरा की देरी।

ट्रांसमिटर व रिसीवर दोनों लगभग 4.5 × 2.5" के हैं, मेटल के बने हुए दोनों का ही वजन हल्का है। बेहद आसान भी है इन्हें सेटअप करना। आठ चैनल उपलब्ध हैं और फोटोग्राफर कोई भी एक चैनल को चुन कर कैमरा व रिसीवर को कनेक्ट कर सकता है। यह पूरी तरह से पैसा वसूल उपकरण है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 अप्रैल 2020 से 5 मई 2020

कोई भी जगह बोरिंग नहीं होती है अगर रात में आपने भरपूर नींद ली है और जेब में रोल है। -रॉबर्ट एडम्स

क्या करूँ, क्या न करूँ? ये कैसी मुश्किल हाय

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

कभी-कभी जीवन में ऐसा विपरीत समय भी आता है जब लगता है कि सब थम गया हो और जीवन स्थिर सा लगने लगता है। ठीक वैसे ही जैसे आजकल हम लोग पूरे देश में 'लॉकडाउन' के चलते ऐसा ही कुछ अनुभव कर रहे हैं। हम अपने काम पर नहीं जा पा रहे हैं, घर से बाहर निकलना नहीं है, लोगों से मिलना-जुलना बंद है और ऐसा लगता है कि सब कुछ बदल सा गया है और बहुत बड़ी मुसीबत सर पर आन पड़ी है। सच में परिस्थितियाँ विपरीत हैं लेकिन हम सबको हिम्मत से काम लेना है। अपने को और घर परिवार सबको इस महामारी से बचाना है। और साधारण सी बात पर अमल करना है वो ये कि सबको घर में ही रहना है और बहुत अधिक आवश्यकता होने पर ही निकलना है। केवल घर में ही रहकर हम अपने को सुरक्षित रख सकते हैं। अब सवाल यह उठता है कि हमें लगने लगता है कि कितना टीवी देखा जाए और कितना समय मोबाइल पर दिया जाए। एक-दो दिन में उससे भी बोरियत होने लगती है। अब बहुत से लोगों को सच में ये लगने लगता है कि इस बंधन में बोरियत से कैसे बचा जाए। हर तरफ 'लॉकडाउन' के कारण सब कुछ ठप्प सा हो गया है। कुछ भी समझ नहीं आता और दिमाग में तनाव बढ़ता जाता है। जिसके कारण घर में रहते हुए और इन सब बातों को सोचते हुए हम अपना तनाव बढ़ा लेते हैं और हो सकता है कि सेहत के लिए नुक्सानदेह भी हो जाए।

लेकिन सोचिये सब कुछ 'लॉकडाउन' नहीं हुआ है, जैसे - सूरज-चाँद, प्यार, परिवार के साथ का समय, दया भाव, रचनात्मकता, सीखना या लर्निंग, बात-चीत, पढ़ना, रिश्ते, प्रार्थना, ध्यान, सोना, आराम, वर्कआउट, वर्क फ्रॉम होम, उम्मीद इत्यादि अनेक ऐसी चीज़ें हैं जो 'लॉकडाउन' नहीं हुई। आपके लिए शायद ये एक मौका है अपने आपको और पहचानने के लिए, परिवार-बच्चों या माँ-बाप के साथ ज़्यादा समय बिताने के लिए। देखिये हो सकता है की आपके अंदर कहीं कोई कलाकार या अदाकार छुपा हो सकता है, बस ज़रूरत है उसे खोज निकालने की।

बहुत से ऐसे काम हैं जिसके लिए हम कहते रहते हैं कि समय न मिल पाने के कारण वो काम नहीं कर पाते। तो देखिये उनमे से ऐसा कोई काम है जो आप अभी घर में रहते हुए कर सकते हैं। उन कामों की लिस्ट बना डालिये जिसके लिए आप खाली समय हमेशा से खोजते रहे हैं, और निपटा डालिये उनको।

आइये विस्तार से देखें कि क्या-क्या और कैसे-कैसे किया जा सकता है। नज़र डालिये घर में अपने आस-पास, और देखने की कोशिश करिये कि ऐसा कौन सा काम है जो आप समय का सदुपयोग करते हुए कर सकते हैं। देखिये शायद आपके अंदर का कलाकार बहार आना चाहता हो और उसे आज मौका मिल जाये। वो कलाकार जो जीवन कि आपा-धापी में कहीं भीतर जा कर छुप गया था, उसे बाहर निकालिये और जीवन का आनंद लीजिये। या याद करिये कोई ऐसा भोजन/पकवान जो आप खाना चाहते हैं तो क्यों न सीखकर एक बार अपने हांथों से बनाएं और परिवार में सबको खिलाएं। घर में कोई कुकरी बुक हो तो मदद मिल जाएगी या फिर गूगल या यूट्यूब से मदद ले सकते हैं। सुबह के समय उठ कर योग या फिटनेस वर्कआउट वगैरह कर सकते हैं। जिन लोगों का वजन बढ़ा हुआ है वो भी अपने खान-पान और वर्कआउट से इन दिनों में वजन मैनेज कर सकते हैं। जाड़े के कपडे जो अभी तक बाहर पड़े हैं उन्हें धूप दिखा कर अंदर रखने का समय आ गया है, कुछ समय के लिए ये भी किया जा सकता है। घर में बहुत से कोने या स्थान ऐसे होते हैं जिनको सफाई कि ज़रूरत है, कोशिश कीजिये इन दिनों वो भी निपटा लीजिये। बाहर लॉन में या छत पर जहाँ आपने पौधे लगा रखे हैं उनके साथ रोज़ कुछ समय बिताइए। सूखे हुए पत्तों को हटा कर निराई-गुड़ाई करें, पौधों के अकार के हिसाब से गमलों का अरेंजमेंट बदल दें, जिससे आप अवश्य कुछ नयापन महसूस करेंगे। सुबह सवेरे उठ कर सूर्य भगवान् को प्रणाम करें और सुबह कि लालिमा में कुछ देर टहलें जिससे कि आपको न केवल अंदरूनी धनात्मक ऊर्जा मिलेगी बल्कि साथ ही आपकी प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ेगी। अखबार के वो पन्ने जो रोज़ समयाभाव के कारण आप देख नहीं पाते थे, उन्हें देखने और पढ़ने में समय दें। कोई अच्छी किताब जो आपने बहुत दिनों से लाकर रखी है और पढ़ने का समय नहीं मिला। उस किताब को खोजें और रोज़ाना थोड़ा-थोड़ा समय पढ़ने के लिए दें। उस किताब में कुछ सीखने को हो तो उसको अंडरलाइन करें या अलग से उसके नोट्स बना लें। आप में से ज़्यादातर लोग फोटोग्राफी व्यवसाय के रूप में करते हैं। इन 'लॉकडाउन' के दिनों में फोटोग्राफी को इम्प्रूव करने और दुनिया में हो रहे नए-नए प्रयोगों के बारे में अध्यन करें। जो आप किसी किताब या इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी या वीडियो से सीख सकते हैं। अपना कैमरा उठा कर अपनी कला को नया आयाम देने की कोशिश करें। इसके अलावा अपना मोबाइल फ़ोन पूरा छान मारें कि क्या-क्या डिलीट करने वाला है और आपके काम का नहीं हैं। साथ ही फ़ोन की फोनबुक देखें तो आपको बहुत सारे ऐसे लोगों के नंबर मिलेंगे जिन्हे आप भूल बैठे हैं। और बहुत से ऐसे नंबर मिलेंगे जो किसी काम के नहीं हैं, उन्हें डिलीट करें। ऐसे लोग जिन्हे आप भूले बैठे हैं उनके नाम एक जगह पर नोट करें और एक-एक करके उनसे बात करें और पूराने संबंधों को प्रगाढ़ करें। हर दिन जब कुछ नया करें तो अपनी एक सेल्फी ले कर रखें। जिसे बाद में कभी देखेंगे तो ये समय याद करके मज़ा आएगा।

टीवी तो एक माध्यम है ही समय बिताने के लिए, और आजकल तो मनोरंजन के लिए तमाम वेब प्लेटफार्म उपलब्ध हैं। जिनपर आप बहुत सारी वेब सीरीज देख सकते हैं। साथ ही फिल्मों का ढेर सारा खज़ाना भी है आपके लिए इन वेब प्लेटफॉर्म्स पर और यूट्यूब पर। गाना सुनने के अगर शौक़ीन हैं पर समय नहीं मिलता तो इंटरनेट पर अथाह सागर है जहाँ आप अपने मन पसंद संगीत के महासागर में गोते लगा सकते हैं।

कुछ बातों का ख्याल रखना है जैसे कि भोजन संतुलित लें, मानसिक शक्ति के लिए मैडिटेशन का सहारा लें, घर में साफ़-सफाई का विशेष ख़याल रखें, घर में सबके हांथों को साफ़ रखने के लिए सैनीटाइज़र का प्रयोग अवश्य करें, जब तक बहुत ही ज़रूरी न हो घर से बाहर न जाएँ। और अगर जाना पड़े तो मास्क का प्रयोग करें, भीड़-भाड़ वाली जगह पर न जाएँ और दूसरों से एक सुरक्षित दूरी बनाये रखें। भगवान् सबका भला करे।

स्टूडियो न्यूज़ तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :

1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि 28 अप्रैल 2020

पुरस्कार 32GB पेनड्राइव

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

करोना संकट : सुझाव एवं विचार

फोटोग्राफी व्यवसाय इस समय बद्तर परिस्थिति से गुजर रहा है, अभी परिस्थिति और संकट में होगा। यह महामारी करोना, गैदरिंग के दुश्मन है, हमारा काम बिना गैदरिंग का नहीं हो सकता। इसलिए पूरे फोटोग्राफर समाज को जब तक करोना संपूर्ण रूप से खत्म ना हो जाए, यह बत्तर परिस्थिति का सामना करना पड़ेगा। हमारे जो भी काम है सारे काम कर्मचारी के ऊपर निर्भर है, इसलिए हमने निश्चय किया है अभी हम कर्मचारी को पूरा वेतन देंगे।

टी हुदाती, संरक्षक,
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

.....

इस समय पूरा देश कारोना जैसी भीषण महामारी के संकट से गुजर रहा है। सारे व्यवसाय बंद पड़े हैं। लेकिन फोटोग्राफी का व्यवसाय अन्य व्यवसाय से भिन्न है। हमें पूरे साल में 4 से 5 महीने की सहालक मिलती हैं। जिसमें अप्रैल-मई की सारी डेट कैंसिल हो गई हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट है इस महामारी से निपटने का। हम आप सभी से अपील करते हैं अपने घर में रहकर अपने पुराने कार्यों को निपटाये जैसे एल्बम डिजाइनिंग है वीडियो एडिटिंग है। सरकार द्वारा गाइड लाइन का पालन करें इस महामारी से बचने का एकमात्र यही उपाय है घर पर रहे सुरक्षित रहें और देश हित में अपना यह अमूल्य योगदान दें यही सबसे बड़ी देशभक्ति है। हम सब स्वस्थ और सुरक्षित रहेंगे तो आगे सब कुछ ठीक कर लेंगे। मेरी आप सब से एक यह भी अपील है कि अपने-अपने जिले में अपने फोटोग्राफर भाइयों का आपस में सहयोग करें। सरकार जो सहयोग कर रही हैं उसका भी लाभ लें। जिले के संगठन अपने-अपने जिलों में अच्छा काम कर रहे है, अपने-अपने कर्मचारियों और सहयोगियों का पूरा वेतन दें। उनको घर में कम्प्यूटर देकर एल्बम डिज़ाइन वीडियो एडिटिंग को कहें। आगे परिस्थितियां क्या होती हैं यह भगवान भरोसे छोड़ दें।

दिनेश चन्द्र वर्मा, अध्यक्ष
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

.....

कोरोना वायरस हम सबके लिए एक बुरे सपने की तरह आया है लेकिन यह भविष्य के लिए हम सबकी आर्थिक-शारीरिक-सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी सोंच में व्यापक बदलाव लाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार कोरोनावायरस का प्रकोप लंबे समय तक रह सकता है। जब तक इसका पक्का इलाज नहीं मिल जाता है हम सबको कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ेगी। बुकिंग में भेजी जाने वाली किट के साथ सेनेटाइजर, मास्क, क्लिनिकल दस्ताने को अनिवार्य बनाएं। साइट पर अगर सम्भव हो तो डिस्पोजेबल बर्तनों का प्रयोग करें। जहाँ भी खानपान में साफ सफाई का अभाव दिखे वहां कुछ भी खाने से बचें। एक ज़िम्मेदार फोटोग्राफर होने के नाते आपको भीड़ के बीच में जाकर भी तस्वीरें उतारनी पड़ सकती हैं इसलिए बिना किसी झिझक के मास्क और ग्लब्स पहन कर काम करें। पान-मसाले के प्रयोग से बचें क्योंकि इस वजह से बार-बार थूकने के लिए मास्क हटाना पड़ता है साथ ही गंदगी भी फैलती है। यही वक्त है यह मनन करने का कि किस प्रकार हमें अचानक आने वाली मुश्किलों से निपटना है ..... क्योंकि मुसीबत बड़ी नहीं होती है वरन बड़ी होती है दूरदर्शिता के साथ उन मुसीबतों से लड़ने तैयारी।

दीपक कपूर, लखनऊ जोन प्रभारी,
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

.....

फोटोग्राफर्स एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार पूरे कानपुर जोन के फोटोग्राफर्स और समाज के अन्य तबको में कोरोना वायरस के लिए जागरूकता उत्पन्न करने के प्रयासों के अंतर्गत विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म द्वारा सबको कोरोना से बचाव के संदेश समय समय पर दिए जा रहे हैं।

पूरे कानपुर जोन के फोटोग्राफर्स से निवेदन किया गया कि वो सरकार द्वारा social distancing की गाइड लाइन को मानते हुए अपने एवं अपने परिवार के जीवन को सुरक्षित करें।

सौरभ मिश्रा, कानपुर जोन प्रभारी
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

.....

अभी तक हमने अपने देश की आजादी से लेकर अब तक बहुत लड़ाईयां लड़ी ओर सरहद पर शहीद भी हुये लेकिन इस बार लड़ाई को जीतने के लिये हमें घर मे रहकर खुद को, साथ में परिवार को, समाज को, शहर को, राज्य को व देश को बचाना है। इस लड़ाई को जीतने के लिऐ हमें घर मे रहकर प्रशासन की मदद करना है।

अरविन्द आनन्द, बरेली जोन प्रभारी
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

.....

प्रिय फोटोग्राफर भाइयों, वैश्विक महामारी कोरोना के चलते हम सभी का व्यवसाय ठप्प पड़ा है। सभी के स्टूडियो भी बंद है, और आगामी बुकिंग भी रद्द हो गयी है, यह समय कष्टकारी समय है, यदि हम सुरक्षित रहे तो जीवन में और भी बहुत कार्य कर लेंगे, सबसे बढ़कर हमारा राष्ट्र और परिवार है। इस समय हम सभी को एकजुट होकर प्रशासन का सहयोग करना है और 14 अप्रैल तक सिर्फ अपने घर मे ही रहना है। क्योंकि इस महामारी से लड़ने का अभी तक एकमात्र यही तरीका है और साथ में अपने आस-पास के आर्थिक स्थिति से कमजोर फोटोग्राफर भाइयों का भी सहयोग करें। इस समय का सदुपयोग करे और पूर्व में किये गए कार्यो की फोटोज और वीडियो की एडिटिंग अपने घर पर ही कम्प्यूटर लगाकर करें।

नीरज वर्मा, मंडल प्रभारी-अयोध्या मंडल
फोटोग्राफर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

जबकि पूरी दुनिया (को-रोना) आ रहा है तो उसका प्रभाव हमारे फोटोग्राफी व्यवसाय पर भी निश्चित पड़ना ही था। सभी तरह के आर्थिक नुकसान के बीच हम सब काम के कैंसिल होने, अपने उपकरणों के किस्तों को भरने, आने वाले समय में काम कम होने की मार झेलेंगे। कंपनियां हमारे किस्तों को माफ करेंगी नहीं और इसी बीच हम सबको अपने बच्चों के री-एडमिशन और उसके साथ साथ क्वार्टरली फीस भी जमा करने हैं जो इसी दौरान पड़ने वाली है।

इन मुसीबतों को हम सब झेलने में मानसिक अवसाद की स्थिति में ना चले जाएं इसके लिए जरूरी है कि हम अपनी सोच को बिल्कुल भी नेगेटिव ना होने दें। हमें अपनी सोच और जीने की जिजीविषा को कायम रखना है।

हमारे फोटो व्यवसायियों और फोटो संगठनों ने अपने-अपने स्तर पर जरूरतमंदों (गरीब और अमीर) की बहुत ही जमकर सेवा की है। उन सभी के लिए पूरी उदारता के साथ दिल से आभार।

रूप श्रीवास्तव, मंडल प्रभारी-प्रयागराज
फोटोग्राफर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

.....

कोरोना जैसी महामारी के कारण सभी फोटोग्राफी व्यवसाय से जुड़े लोगों पर बहुत बड़ा आर्थिक प्रभाव पड़ने वाला है। वर्ष 2020 का पूरा सीजन ही सिमट कर बहुत सीमित व्यापार रह जायेगा। जिससे हमारे कर्मचारी व सहयोगी ऑपरेटर पर आर्थिक दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। मेरा सभी फोटोग्राफर भाइयों से अनुरोध है कि कुछ समय तक अपने खर्चों को सीमित करने का प्रयास करें एव बहुत विचार करके ही नया इन्वेस्टमेंट करें।

अमित राठौर, अध्यक्ष
फर्रूखाबाद फ़ोटो क्लब

.....

सारी दुनिया में मचा हैं हाहाकार,
कोरोना वायरस ने किया हैं प्रहार .....
हम सबको एकजुट होकर इसे हराना हैं,
भारतवर्ष का झंडा फिर एक बार लहराना हैं .....
रोजी रोटी पे लगी हैं थाम,
सरकार कर रही इसी पे काम .....
बस.....सोशल डिस्टनसिंग को अपनाना हैं,
इस महामारी से सभी को बचाना है ।।

घर पर रहे ...स्वस्थ रहे ... सुरक्षित रहे ...
जय हिन्द ..... जय भारत .....

सुशील गुप्ता, (अध्यक्ष)
लखीमपुर फोटोग्राफर्स एसोसिएशन

.....

दीपों से कोरोना के कीटाणु नहीं मरेंगे, जैसे ध्वनि से वो भागते नहीं, दिमाग का विस्तार कीजिये तो ध्वनि की एकता सुनाई देगी, एकता का उजाला दिखेगा, और एकजुटता की शक्ति का अहसास होगा। इसलिए प्रधानमंत्री जी के दिशा निर्देशों का पालन करें और एकता का परिचय दें।

प्रेम मिश्रा, अध्यक्ष
सीतापुर फोटोग्राफर्स एसोसिएशन

.....

इस समय देश और विश्व संकट में है। इस संकट का हमें मिलजुल कर मुकाबला करना है, व्यवसायिक गतिविधियां बंद हैं। तो आर्थिक समस्याएं भी होंगी लेकिन कोविड-19 कोरोना जैसी वैश्विक महामारी की विषम समस्या के समक्ष बाकी समस्यायें न्यून हैं। हमें थोड़े समय के लिए घर पर रहकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का पालन करना है। इस देश में विश्व विजयी सिकंदर ने घुटने टेके हैं तो कोरोना को भी टेकना पड़ेगा। बस आवश्यकता है कि हम हिल-मिल कर एक राय रहें और सरकार के प्रत्येक दिशा निर्देश का पालन करें।

प्रमोद कुमार, मीडिया प्रभारी
अमेठी फोटाग्राफर्स एसोसिएशन

.....

सभी फोटोग्राफर भाइयों, हमारा देश इस समय संकट की स्थिति में है, कोरोना कोविड-19 महामारी का संक्रमण अपना प्रसार कर रहा है। लॉक डाउन के कारण हमारे व्यवसाय बंद हैं। हम सभी के लिए संकट की घड़ी है। अपनी और परिवार की सुरक्षा करें। सरकार द्वारा जारी सूचना एवम् निर्देशों का पालन करें। घर पर रह कर अपना, अपने परिवार और देश का सहयोग करें।

रजनीश कान्त सिंह, अध्यक्ष
बाराबंकी फोटोग्राफर्स एसोसिएशन

.....

कोरोना को लेकर फोटोग्राफरों में भारी निराशा देखने को मिल रहा है। उनका व्यवसाय पूरी तरह से ठप हो चुका है। आने वाले दिनों में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा इसके लिए सभी फोटोग्राफर बंधु तैयार रहें। पहले खुद को बचाना है। उसके बाद रोजी-रोटी के बारे में सोचना है। आने वाले दिनों में शादी विवाह में फोटोग्राफरों को बहुत सावधानी से काम करने की आवश्यकता है। सरकारी निर्देशों का अक्षरशः पालन करेंगे अगर प्रशासन किसी आयोजन पर रोक लगाता है तो उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

दिव्य प्रकाश मौर्य (सचिव)
भदोही फोटोग्राफर एसोसिएशन

.....

कोरोना वायरस के संबंध में सभी फोटोग्राफर बंधुओ को कानपुर फोटोग्राफिक एसोसियेशन के द्वारा Stay Home Stay Safe अभियान चलाया गया। लॉकडाउन में मानवता के नाते मानव धर्म का पालन करते हुए अपने आस-पास के लोगों का भी उचित ध्यान रखा जाए और ऐसी विषम परिस्थिति में लोगों को भोजन आदि की व्यवस्था की जाए। कानपुर फोटोग्राफिक एसोसिएशन द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि अपने समस्त मेम्बर्स की स्वास्थ्य की जांच के लिए लाकडाउन के पश्चात एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जाए जिसमें सभी मेम्बर्स के स्वास्थ्य की जांच निःशुल्क की जाए।

विष्णु नारायण दीक्षित, अध्यक्ष
कानपुर फोटोग्राफिक एसोसिएशन

.....

फैजाबाद फोटोग्राफर एसोसिएशन की ओर से कोरोना वायरस के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। लॉक डाउन की वजह से फोटोग्राफी का काम बंद है लेकिन यह भी सत्य है कि सुरक्षित रह कर ही इस बीमारी से बचा जा सकता है। ऐसे में फोटोग्राफर एसोसिएशन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की ओर से किए गए आवाहन पर लॉक डाउन का संपूर्ण समर्थन कर रहा है। अभियान को धार देने के लिए फोटोग्राफर एसोसिएशन की ओर से सोशल मीडिया साइट्स फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम पर भी एक दूसरे को बचाव के उपाय भेजकर जागरूकता फैलाई जा रही है।

मोहम्मद अजहर खान, अध्यक्ष
फैजाबाद फोटोग्राफर एसोसिएशन

.....

विकट समय है भारत वालों,
कर लो समय से लड़ने की,
कोरोना से पूरी तैयारी,
ध्यान रखना है संक्रमण को,
देश में नहीं बनने देना है,
किसी भी हाल में महामारी,
लॉकडाउन का पालन करना,
हम सबकी जिम्मेदारी,
घर में सुरक्षित रहकर,
बचाव ही कारगर उपचार है,
यह समझना देशवासियों,
सबसे बड़ी समझदारी।।

संजीव स्टूडियो (शाहजहाँपुर)

.....

इस संकट काल में देश के प्रधानमंत्री जी के साथ है। इस महामारी की वजह से हमारे फोटोग्राफर साथियों के व्यवसाय पर बहुत फर्क पड़ रहा है। मैं सरकार से मांग करता हूँ जिस तरह फोटोग्राफर साथियों ने अपने प्रतिष्ठान बन्द कर सरकार का सहयोग किया है इसी तरह सरकार भी फोटोग्राफर्स के लिए कोई ठोस कदम उठाये।

नीरज अवस्थी, उपाध्यक्ष
हरदोई फोटोग्राफर्स एसोसिएशन

.....

हम सभी इस विषम परिस्थिति में हिम्मत एवं धैर्य के साथ थोडें समय के लिए घर पर रहें और सुरक्षित रहें।

राजेन्द्र वर्मा, अध्यक्ष
अमेठी फोटोग्राफर्स एसोसिएशन

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in